विनेश फोगाट ने डिसक्वालीफाई किए जाने के खिलाफ कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (ीएं) में अपील दायर की है। साथ ही संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिए जाने की मांग की है। विनेश फोगाट को 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के चलते डिसक्वालीफाई कर दिया गया था।


# जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 96 दिनांक:08-08-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में 30 जुलाई को केरल के वायनाड में आए भूस्खलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्र से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाने तथा समग्र पुनर्वास पैकेज प्रदान करने की मांग की।

## रेसलर विनेश फोगाट पेरिस ओलिंपिक से बाहर...

### बाल काटे, कपड़े छोटे किए... फिर भी वजन उनकी कैटेगरी 50 किलो से ज्यादा, फैसला सुनकर विनेश की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती 100 ग्राम में टूटा 140 करोड़ का सपना

पेरिस( ईएमएस )। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट को तय कैटेगरी में ज्यादा वजन होने की वजह से पेरिस ओलिंपिक से बाहर होना पड़ा है। विनेश 50 किलो की कैटेगरी में खेलती हैं। बुधवार को उनका वजन करीब 100 ग्राम ज्यादा मिला। इसके बाद उन्हें ओलिंपिक महिला कुश्ती से अयोग्य घोषित कर दिया गया। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन ने कहा कि बेहद खेदजनक है कि विनेश फोगाट को ज्यादा वजन के कारण महिला कुश्ती के 50 किलो कैटेगरी में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रातभर की कोशिशों के बावजूद सुबह उनका वजन 50 किलो से कुछ ग्राम अधिक पाया गया। इसके साथ ही 140 करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया।

पेरिस ओलंपिक में भारत के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में फाइनल मुकाबले से पहले विनेश फोगाट का वजन 2 किलोग्राम बढ़ गया था, इसके बाद उनके वजन को कम करने के लिए कठोर कदम उठाए गए। दिनशॉ पारदीवाला ने कहा कि विनेश 100 ग्राम अतिरिक्त वजन कम नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा कि विनेश ने रातभर वजन कम करने के लिए जो कठोर तरीके आजमाए, उसमें सिर के बाल कटवाना, उसके कपड़े छोटे करना तक शामिल रहा। उन्होंने कहा कि पहलवान आमतौर पर अपने वजन से कम वजन वाली कैटेगरी में हिस्सा लेते हैं, इससे उन्हें फायदा होता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में वे कम मजबूत विरोधियों से लड़ रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि वजन घटाने के लिए एथलीट को बहुत पसीना बहाना पड़ता है। इसके लिए खाने और पानी पीने पर काफी कंट्रोल करना होता है। सबसे मुश्किल बात यह है कि इस फैसले के खिलाफ अपील भी नहीं की जा सकती। विनेश पहली बार 50 किलो कैटेगरी में खेल रही थीं। इससे पहले वे 53 किलो में खेलती थीं। ओलिंपिक से बाहर किए जाने के बाद विनेश फोगाट की तबीयत बिगड़ गई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा से कहा है कि वे रेसलर की मदद के तरीके तलाशें। पीएम ने उषा से इस मामले में विरोध दर्ज कराने को भी कहा है।

वजन घटाने के लिए रातभर एक्सरसाइज करती रहीं

विनेश और उनके कोच को मंगलवार रात ही उनके ज्यादा वजन के बारे में पता चल गया था। इसके बाद विनेश पूरी रात नहीं सोईं और वजन को तय कैटेगरी में लाने के लिए जॉगिंग, स्किपिंग और साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करती रहीं। विनेश ने अपने बाल और नाखून तक काट दिए थे। इसके बावजूद उनका वजन नहीं घट पाया। भारतीय दल ने विनेश को थोड़ा और समय देने की मांग भी की थी, लेकिन उनकी मांग नहीं सुनी गई।

रातभर की कोशिशों के बावजूद वजन कुछ ग्राम ज्यादा

इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन ने कहा कि बेहद खेदजनक है कि विनेश फोगाट को ज्यादा वजन के कारण महिला कुश्ती के 50 किलो कैटेगरी में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रातभर की कोशिशों के बावजूद सुबह उनका वजन 50 किलो से कुछ ग्राम अधिक पाया गया। भारतीय दल की तरफ से इस बारे में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी। विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध है। हम आने वाली प्रतियोगिताओं पर फोकस करना चाहेंगे।

क्यूबा की रेसलर फाइनल में पहुंची

विनेश को बुधवार रात करीब 10 बजे गोल्ड मेडल के लिए अमेरिकी रेसलर सारा एन हिल्डरब्रांट से मुकाबला करना था। ओलिंपिक नियमों के मुताबिक अब विनेश की जगह सेमीफाइनल में उनसे हार चुकीं क्यूबा की गुजमान लोपेजी ही फाइनल खेलेंगी।

अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ में विरोध जताया

संसद के मानसून सत्र के 13वे दिन बुधवार को ओलिंपिक से विनेश फोगाट को डिस्क्वालिफाइ करने का मामले खेल मंत्री ने सरकार का पक्ष रखा। लोकसभा में खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा- विनेश को रेसलिंग के 50 किलोग्राम कैटेगरी में खेलना था। उनका वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम ज्यादा पाया गया। इसलिए उन्हें अयोग्य करार दिया गया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से कड़ा विरोध दर्ज किया है। भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा अभी पेरिस में हैं। प्रधानमंत्री ने उनसे बात करके उचित एक्शन लेने के लिए कहा है। विनेश मंगलवार 6 अगस्त को 3 मुकाबले जीतकर 50 किलोग्राम कैटेगरी की रेसलिंग के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं।

पीएम बोले- चैंपियनों में चैंपियन हो, आप वापसी करेंगी

विनेश, तुम चैंपियनों में चैंपियन हो। आप भारत के गौरव और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज का झटका दर्द देता है। काश शब्द उस निराशा की भावना को व्यक्त कर सकते जो मैं अनुभव कर रहा हूं। साथ ही, मुझे पता है कि आप वापसी करेंगी। चुनौतियों का सामना करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। मजबूत होकर वापस आएं। हम सब आपके साथ हैं।

## 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को चुनाव,21 अगस्त नामांकन की आखिरी तारीख

नई दिल्ली( ईएमएस )। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि 9 राज्यों में खाली राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर चुनाव होगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित मौजूदा सदस्यों के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण 10 राज्यसभा सीटें खाली हो गईं हैं। आयोग ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए अधि सूचना 14 अगस्त को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। प्रत्येक राज्यसभा सीट के लिए 3 सितंबर को अलग-अलग चुनाव होगा और उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे।

मप्र में आधा दर्जन दावेदार

गुना से लोकसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीते 11 जून को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। सिंधिया के इस्तीफे के 57 दिन बाद इस सीट पर चुनाव का ऐलान किया गया है। सिंधिया के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट पर 21 जून 2026 तक का कार्यकाल बचा है। राज्यसभा जाने के लिए भाजपा के आधा दर्जन नेता कतार में हैं। इनमें पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा, पूर्व सांसद डॉ. केपी यादव, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, पूर्व विधायक चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह मुख्य दावेदारों में शामिल हैं। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार और पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर के नाम भी चर्चा में हैं।

## यूपी में गंगा-यमुना और बिहार में 3 नदियां उफान पर, राजस्थान में बाढ़, घरों में 5 फीट पानी

नई दिल्ली/भोपाल( ईएमएस )। उत्तर प्रदेश में तेज बारिश के कारण गंगा और यमुना नदी उफान पर हैं। मुरादाबाद में इतनी बारिश हुई कि रेल ट्रैक पानी में डूब गया। पीलीभीत में सडक़ बह गई। बिहार में भी तेज बारिश के चलते सीतामढ़ी, गया, सुपौल, गोपालगंज के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गंडक, बागमती और कोसी नदी उफान पर है। उधर, राजस्थान के जैसलमेर, पाली और जोधपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान तेज बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात हैं। जैसलमेर के मोहनगढ़ में 10 इंच, पोकरण में 7 इंच बारिश दर्ज की गई। पाली में 10 इंच और जोधपुर में 9 इंच बारिश दर्ज की गई। पाली में बाढ़ के चलते शहर की 52 से ज्यादा कॉलोनियां पानी में डूब गईं। यहां 5 फीट तक पानी भरा हुआ है। मप्र में नदियां उफान पर हैं। बांधों से लगातार छोड़ा जा रहा पानी।

खंडवा जिले में नर्मदा नदी पर बने इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांध के गेट खोल दिए गए है। शाम 4 बजे इंदिरा सागर डैम के 12 गेट खोलकर 2154 क्यूमेक्स तथा पावर स्टेशन से 1840 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज कर रहे है। वहीं आधे घंटे शाम साढ़े 4 बजे ओंकारेश्वर बांध के 9 गेट खोल दिए गए। डैम से 2 हजार क्यूमेक्स तथा पावर स्टेशन से 2088 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। इस तरह दोनों डैम से कुल 8082 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज होगा। इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर दोनों बांध परियोजनाएं एनएचडीसी के अधीन है। ओंकारेश्वर परियोजना के प्रमुख धीरेंद्र द्विवेदी के मुताबिक, डैम से कुल 8 मीटर पानी छोड़ा जाएगा। शाम 4.30 बजे 9 गेट खोले गए है। इसमें तीन स्पिल्वे गेट 1.5 मीटर, दो गेट एक मीटर और चार गेट आधा मीटर ऊंचाई तक खुले है। गेटों से 2 हजार क्यूमेक्स तथा पावर स्टेशन पर बिजली उत्पादन कर 2088 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज कर रहे है।

इधर, इंदिरा सागर बांध के प्रमुख अजीत कुमार सिंह के मुताबिक, डैम के 12 गेट खोले गए है। 6 स्पिल्वे गेटों की ओपनिंग एक मीटर व 6 गेट की आधा मीटर रखी गई हैं। इस तरह इंदिरा सागर से 2154 क्यूमेक्स पानी तथा पावर स्टेशन से 1840 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। कुल पानी का डिस्चार्ज 3994 क्यूमेक्स रहेगा। डैम से 9 मीटर पानी खाली किया जाएगा। गेट खुलने से पहले की स्थिति में इंदिरा सागर में जलभराव 259.97 मीटर था। जबकि इसकी कुल भराव क्षमता 262.13 मीटर हैं।

## लोकसभा में राहुल बोले वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें

नई दिल्ली( ईएमएस )। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में 30 जुलाई को केरल के वायनाड में आए भूस्खलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्र से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाने तथा समग्र पुनर्वास पैकेज प्रदान करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि वायनाड में पीडितों की मदद के लिए विभिन्न समुदाय के लोग आगे आए, जिसे देखकर अच्छा लगा।

वायनाड भूस्खलन को लेकर लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा, मैंने अपनी बहन ( प्रियंका गांधी वाड्रा ) के साथ कुछ दिन पहले वायनाड का दौरा किया और अपनी आंखों से आपदा के बाद भयावह विनाश और पीड़ा के मंजर को देखा। करीब दो किलोमीटर तक पहाड़ ढह गया और चट्टानों एवं गाद का अंबार लग गया। उन्होंने आगे बताया कि इस आपदा में 300 से अधिक लोगों की जान चली गई और अभी भी बड़ी संख्या में लोग लापता हैं।

वायनाड के पूर्व लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने इस आपदा की स्थिति पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, नौसेना, तटरक्षक, जिला प्रशासन, वन विभाग और दमकल विभाग के बचाव और राहत कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने तमिलनाडु, कर्नाटक तथा तेलंगाना राज्यों की ओर से की गई मदद की भी सराहना की। राहुल गांधी ने आगे कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि विभिन्न समुदाय के लोग पीडितों की मदद के लिए आगे आए। भूस्खलन के कारण मुख्य मार्ग कटने से बचाव दलों को आपदा प्रभावित स्थानों तक पहुंचने में दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, यह बहुत बड़ी आपदा थी। इसलिए मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वायनाड के लिए समग्र पुनर्वास पैकेज में सहयोग करे, जिसमें आपदा से निपटने के लिए अवसंरचना निर्माण और प्रभावित समुदायों की मदद शामिल हो। मैं केंद्र सरकार से यह अनुरोध भी करता हूं कि पीडितों को जो मुआवजा दिया जा रहा है, उसे बढ़ाया जाए और वायनाड भूस्खलन की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, मैंने अनेक आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है लेकिन इस आपदा में यह देखना अत्यंत दुखदायी रहा कि अनेक मामलों में परिवारों में केवल एक सदस्य जीवित बचा है। उन्होंने कहा कि वह वायनाड के लोगों की बात उठाने के लिए इस सदन को भी धन्यवाद देते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों को दो लाख और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

## केंद्रीय खेल मंत्री ने बताया .........क्यों हुई विनेश फोगाट डिसक्वालिफाई

सरकार ने मदद मुहैया करने में कोई कसर नहीं छोड़ी

नई दिल्ली ( ईएमएस )। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में डिसक्वालिफाई करने पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में बयान दिया। केंद्रीय खेलमंत्री ने बताया कि सुबह विनेश का वजन दो बार चेक किया गया। उनका वजन 50 किलो 100 ग्राम पाया गया। जिसके बाद उन्हें डिसक्वालिफाई किया गया। केंद्र सरकार की ओर से इंटरनेशनल संस्थाओं से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। हालांकि, इसके बाद भी संसद में हंगामा जारी रहा।

खेल मंत्री ने कहा, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन ने इंटरनेशनल ओलंपिक संघ से शिकायत की है। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ में भी हमने विरोध दर्ज कराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इंडियन ओलंपिक कमेटी प्रमुख पीटी ऊषा से बात की है। पीटी ऊषा वर्तमान में पेरिस में ही हैं। लोकसभा में खेल मंत्री ने बताया कि विनेश को सरकार की ओर से किस तरह की मदद मुहैया कराई गई।

खेल मंत्री मंडाविया ने बताया कि केंद्र ने उन्हें हर संभव मदद दी। उनके लिए पर्सनल स्टाफ नियुक्त किए। हंगरी के मशहूर कोच वोलेर अकोस और फिजियो अश्विनी पाटिल को तैनात किया गया। कई स्पारिंग पार्टनर्स, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग एक्सपर्ट को पैसे दिए गए। लेकिन खेल मंत्री की बात से विपक्षी सांसदों संतुष्ठ नहीं दिखाई दिए। उन्होंने सरकार से इस मामले को हाई लेवल पर उठाने की मांग की। इसके पहले संसद में भी यह मुद्दा उठा। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह सहित कई नेताओं ने सरकार से सवाल पूछा। संजय सिंह ने ओलंपिक का बहिष्कार तक करने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा ये सिर्फ विनेश नहीं देश का अपमान है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने ब्लैक डे करार दिया।

## भारत-पाकिस्तान मिलकर बनाएं ननकाना साहिब के लिए कॉरिडोर

आप सांसद राघव चड्ढा ने संसद में रखी मांग

नई दिल्ली,( ईएमएस )। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद में ननकाना साहिब कॉरिडोर का मुद्दा उठाया। उन्होंने देश की आजादी के बाद विभाजन की विभीषिका का भी जिक्र किया है। पाकिस्तान के पंजाब में चले गए गुरुद्वारा साहिब गिनाए और इनके दर्शन-दीदार के लिए, मत्था टेकने के लिए सरकार से कदम उठाने की मांग की।

चड्ढा ने कहा कि 1947 में जब देश का बंटवारा हुआ, सिर्फ देश के ही दो टुकड़े नहीं हुए बल्कि दो टुकड़े हमारे सूबे पंजाब के भी हुए थे। लाखों पंजाबियों का खून बहा जिसमें हमारा परिवार भी था। उन्होंने कहा कि हमारे कई अपने, कई रिश्तेदार हमसे बिछड़ गए। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे गुरुद्वारा साहिब हमसे बिछड़ गए। चड्ढा ने करतारपुर साहिब से पंजाब साहिब तक, पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारों के नाम गिनाए और कहा कि इनमें एक बड़ी मुकद्दस जगह है जहां गुरुगोविंद सिंह जी का प्रकाश हुआ, श्री ननकाना साहिब।

चड्ढा ने कहा कि यह लाहौर से करीब 90 किलोमीटर की दूरी पर है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से करतारपुर कॉरिडोर बनाकर संगत को दर्शन-दीदार का, मत्था टेकने का अवसर मिला, उसी प्रकार ननकाना साहिब के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों देशों की सरकार मिलकर कॉरिडोर बनाएं जिससे श्रद्धालु वहां जाकर दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि ननकाना साहिब के खुले दर्शन करने जाने के लिए कोई वीजा, पासपोर्ट, फीस या किसी कॉम्प्लिकेटेड फॉर्म की जरूरत ना हो इसके लिए एक सरल प्रक्रिया होनी चाहिए।

चड्ढा ने कहा कि अमृतसर के अटारी वाघा बॉर्डर से श्रीननकाना साहिब की दूरी करीब 104 किलोमीटर है जिसे बस-गाड़ी से दो-ढाई घंटे में तय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमृतसर से लाहौर होते हुए ननकाना साहिब तक जाने वाले रास्ते को सेफ पैसेज बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी सहयोग होगा, आम आदमी पार्टी की सरकार करने के लिए तैयार है। इससे दुनिया में भाईचारे का एक बड़ा संदेश जाएगा और करोड़ो संगत की दुआएं दोनों देश की सरकारों को मिलेंगी।

अमृतसर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने अमृतसर के वाघा अटारी बॉर्डर के जरिए ट्रेड बंद होने का मुद्दा उठाया। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान सांसद औजला ने ट्रेड बंद होने की वजह से रोजगार में आई कमी का जिक्र करते हुए ये मांग की है कि वाघा बॉर्डर से बंद पड़े ट्रेड को चालू कराया जाए।

## आज संसद में वक्फ बोर्ड बिल पेश कर सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली ( ईएमएस )। नरेंद्र मोदी सरकार गुरुवार को लोकसभा में वक्फ बोर्ड बिल पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक मोदी सरकार गुरुवार को ही बिल को पेश करने जा रही है। बताया गया हैं कि केंद्र सरकार चाहती है कि बिल में सभी दलों को साथ लिया जाए। इसकारण मोदी सरकार बिल पर सर्व सम्मति बनाने के लिए सेलेक्ट कमेटी को भेज सकती है।

सूत्रों के मुताबिक सरकार की प्राथमिकता बिल को आम सहमति से सदन में पारित कराकर गरीब मुस्लिम, मुस्लिम महिला और अनाथ मुस्लिमों को न्याय दिया जाए। अगर सदन में बिल पर आम सहमति नहीं बनने पर बिल को और ज्यादा चर्चा के लिए किसी संयुक्त समिति को भी भेज सकती है।

वक्फ बोर्ड बिल पर पिछले 2 माह में मोदी सरकार ने करीब 70 ग्रुप से मशविरा किया है। बिल का मकसद वक्फ संपत्तियों को अवैध कब्जे से निजात दिलाना है। बता दें कि वक्फ के पास देश में सबसे बड़ी चल और अचल संपत्ति है। हालांकि, इससे ऊपर रेलवे और डिफेंस हैं, लेकिन वह सरकारी संपत्ति है। इस बिल में सरकार मौजूदा वक्फ बोर्ड अधिनियम की धारा-40 को भी बदलने की तैयारी में है। यह नियम बोर्ड को किसी संपत्ति को अपनी जमीन घोषित करने की ताकत देता है। इस नए बिल में केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों का रोल काफी संशोधित किया जा सकता है, साथ ही इन निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

## पहलगाम का रास्ता बंद, अब अमरनाथ यात्री बालटाल के रास्ते करेंगे दर्शन

जम्मू ( ईएमएस )। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के रास्ते पर मरम्मत कार्य जारी है जिसको लेकर अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि अमरनाथ यात्रा अब उत्तरी कश्मीर के बालटाल मार्ग से ही होगी। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि बारिश के कारण पहलगाम-गुफा का रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। उसे सुधारने का काम जारी है। इसलिए इस साल की बची हुई अमरनाथ यात्रा के लिए यात्री केवल उत्तरी कश्मीर बालटाल-गुफा के रास्ते से ही गंतव्य स्थान पर पहुंच सकेंगे।

651 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था बुधवार सुबह 5:30 बजे जम्मू शहर के भगवती नगर से 14 वाहनों के काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल शिविर के लिए रवाना हुआ। बता दें अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और मंगलवार तक करीब पांच लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। पिछले साल 4.45 लाख लोगों ने अमरनाथ यात्रा की थी। पुलिस और सीएपीएफ समेत बड़ी संख्या में सुरक्षा बल जम्मू से दोनों बेस कैंप तक 350 किलोमीटर से ज्यादा लम्बे मार्ग पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तैनात हैं।

इसके अलावा यात्रियों की सुरक्षा के लिए पारगमन शिविरों, आधार शिविरों और गुफा मंदिर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। गुफा में बर्फ की एक संरचना है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

## उत्तर कन्नड़ में काली नदी पर बना पुल गिरा

करवार,( ईएमएस )। देश में पुल गिरने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बिहार के बाद अब कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में भारी बारिश के कारण काली नदी के ऊपर बना पुल ढह गया है।

घटना आधी रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। इस घटना में एक लॉरी ड्राइवर समेत नदी में जा गिरी। पुल गिरने के बाद यातायात बाधित हो गया है। पुल गिरने से उत्तर कन्नड़ से गोवा को जोड़ने वाला मार्ग पूरी तरह से बंद हो गई है क्योंकि यह पुल राजमार्ग 66 पर बना था। मौके पर पुलिस और प्रशासन मौजूद हैं। वहीं नदी में गिरे ड्राइवर को मछुआरों ने बचा लिया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## मुख्तार का शूटर एनकाउंटर में ढेर

मथुरा( ईएमएस )। मथुरा में एसटीएफ ने पुलिसकर्मी की हत्या के आरोपी बदमाश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। बदमाश का नाम पंकज यादव था। वह मुख्तार और शाहबुद्दीन गैंग का शॉर्प शूटर था। पंकज पर एक लाख का इनाम था। काफी वक्त से फरार था। एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश शाही ने बताया- एनकाउंटर बुधवार सुबह 4 बजे मथुरा-आगरा हाइवे पर फरहा थाना क्षेत्र में हुआ। मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंकज अपने एक साथी के साथ बाइक से आगरा की तरफ जा रहा है। एसटीएफ ने घेराबंदी की तो वह गांव की तरफ भागने लगा और फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें पंकज को तीन गोलियां लगीं। एक गोली उसके पैर में, दूसरी कमर पर और तीसरी गोली सिर पर लगी है। वहीं, उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

## भारत में घुसने के फिराक में सैकड़ों बांग्लादेशी नागरिक, बंगाल की सीमा पर बीएसएफ ने रोका

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बुधवार को सैकड़ों बांग्लादेशी नागरिक एकत्र हुए और दावा किया कि उनके देश में उन पर हमला हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना झापोर्टला सीमा चौकी क्षेत्र में दक्षिण बेरुबारी गांव के पास हुई। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ( बीजीबी ) बाद में उन्हें वापस ले गए।

उन्होंने कहा कि ये लोग बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले के पांच गांवों के थे जिसकी सीमा जलपाईगुड़ी से लगती है। सीमा सुरक्षा बल ( बीएसएफ ) के अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेशी सीमा पर एकत्र हुए थे, लेकिन सीमा पूरी तरह सील होने के कारण कोई भी भारत में प्रवेश नहीं कर सका। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के फील्ड कमांडरों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ( बीजीबी ) के अपने समकक्षों से संपर्क किया

## 76 साल से मलाई खाने वालों को चुभ रहा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा का बयान

गया ( ईएमएस )। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त को ऐतिहासिक फैसला सुनाकर अनुसूचित जाति में कोटे के अंदर कोटे को मंजूरी दे दी है। संविधान पीठ ने 7-1 के बहुमत से फैसला सुनाया है। अब आरक्षण में वर्गीकरण का मामला धीरे-धीरे गर्म हो रहा है। आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर राजद के नेता विरोध में हैं। आंदोलन का रूप देने में जुटे हैं। वहीं हम हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ( सेक्युलर ) इस मसले पर केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के कदम को जायज ठहराने में जुटा है।

गया में आरक्षण के वर्गीकरण को लेकर आक्रोश मार्च निकाला गया। जहानाबाद के मखदुमपुर से राजद विधायक सतीश दास के नेतृत्व में ये मार्च निकला। वहीं, हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंजीनियर नंदलाल मांझी ने आरक्षण मामले पर अपना बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि कोटा में कोटा जायज है। बीते 76 साल से मलाई खाने वालों को ही आरक्षण में वर्गीकरण का मसला पेट में चुभ रहा है। वह युवाओं को भड़का कर रहे हैं।

## महाराष्ट्र में लापता महिलाओं की संख्या एक लाख से ज्यादा

मुंबई, ( ईएमएस )। महाराष्ट्र में वर्ष 2018 से 2022 तक इन पांच साल में 1 लाख से ज्यादा महिलाएं लापता हो गई हैं, जिनका अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। इन आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रगतिशील महाराष्ट्र में महिला सुरक्षा का मुद्दा कितना गंभीर है. ऐसा इसलिए है क्योंकि लापता व्यक्तियों का पता लगाने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रशासनिक एजेंसियों की ओर से या तो योजना की कमी है या उदासीनता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ( एनसीआरबी ) के आंकड़ों के अनुसार, लापता महिलाओं और लड़कियों के मामले में महाराष्ट्र देश के शीर्ष पांच राज्यों में से एक है।

- एनसीआरबी द्वारा जारी किए गए महाराष्ट्र के आंकड़े

वर्ष 2018 में 2 हजार 063 नाबालिग लड़की और 27 हजार 177 महिला यानि कुल 29 हजार 240 महिलाएं गायब हुई. जबकि वर्ष 2019 में 2 हजार 323 नाबालिग लड़की और 28 हजार 646 महिला यानि कुल 30 हजार 969, वर्ष 2020 में 1 हजार 422 नाबालिग लड़की और 21 हजार 735 महिला यानि कुल 23 हजार 157, वर्ष 2021 में 1 हजार 158 नाबालिग लड़की और 19 हजार 445 महिला यानि कुल 20 हजार 630 और वर्ष 2022 में 1 हजार 493 नाबालिग लड़की और 22 हजार 029 महिला यानि कुल 23 हजार 522.

- मानव तस्करी, अवैध व्यापार और आतंकवाद के लिए उपयोग

इस संबंध में एक पूर्व सैनिक ने बॉम्बे हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है. देशभर से गायब हुई इन महिलाओं के मामले सामने आए हैं कि इनका इस्तेमाल मानव तस्करी, अनैतिक कारोबार और कभी-कभी आतंकवादी गतिविधियों के लिए भी किया जा रहा है। इसलिए, याचिका में राज्य सरकार से इस गंभीर मामले को भी उतनी ही गंभीरता से देखने और लापता महिलाओं को खोजने के लिए उचित उपाय करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

- पुलिस विभाग को अधिक सतर्क रहने की जरुरत

इन मामलों में, महिलाओं को अक्सर दूसरे राज्य या सीधे विदेश ले जाया जाता है। इसलिए केंद्रीय गृह विभाग को इस पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है. क्योंकि परेशान परिवार पहले पुलिस, फिर महिला आयोग, फिर मानवाधिकार आयोग का रुख करते हैं. लेकिन ज्यादातर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगती है. इसलिए पुलिस प्रशासन को इस संबंध में कुछ ठोस कदम उठाने तथा अधिक सतर्क रहने की मांग की जा रही है।

## मैच के साथ सीरीज भी हारा भारत

कोलंबो ( ईएमएस )। श्रीलंका के खिलाफ तीन एक दिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज के आखिरी वनडे में श्रीलंका ने भारत को 110 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही श्रीलंका ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा कर लिया। पहला मुकाबला टाई छूटा था। 249 रनों का पीछा करते हुए भारत से रोहित शर्मा ने 35, वॉशिंगटन सुंदर ने 30, विराट कोहली ने 20 और रियान पराग ने 15 रन बनाए। श्रीलंका से दुनिथ वेल्लालागे ने 5 विकेट लिए। जेफरी वांडरसे और महीश तीक्षणा को 2-2 विकेट मिले।

पहली पारी में श्रीलंका ने भारत के सामने 249 रनों का लक्ष्य रखा। पिछले दो मैचों के मुकाबले इस बार श्रीलंकाई ओपनरों ने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। जहां पथुम निसानका ( 45 ) अर्द्धशतक से चूके तो अविष्का फर्नांडो ( 96 ) के हाथ से चार रन से ही शतक फिसल गया। इनके आउट होने के बाद एक छोर पर पुछल्लों के कुछ विकेट गिरने के बीच कुसल मेंडिस ने 59 रन की उपयोगी पारी खेली। निचले क्रम में कमिंडु मेंडिस ( 23 ) ने भी हाथ दिखाए, तो श्रीलंका 7 विकेट र 248 रनों तक पहुंचने में सफल रहा। आखिरी वन डे में अर्शदीप की जगह अपने वनडे करियर की शुरआत करने वाले रियान पराग ने तीन विकेट लिए, जबकि सिराज, पटेल, सुंदर और कुलदीप को एक-एक विकेट मिला।

## 5 हजार मामलों में सिर्फ 40 को सजा हुई, ईडी को अभियोजन की गुणवत्ता पर ध्यान रखने की जरूरत - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ( ईएमएस )। धन शोधन निवारण अधिनियम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 5 हजार मामलों में सिर्फ 40 को सजा हुई। ईडी को अभियोजन की गुणवत्ता पर ध्यान रखने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि आप सिर्फ गवाहों के बयान पर निर्भर नहीं रह सकते। आपको वैज्ञानिक सबूत भी जुटाने चाहिए। जब आप खुद साबित नहीं कर सकते कि कोई दोषी है तो उसे साबित करने का भार आरोपी पर है। घोड़े के आगे गाड़ी मत लगाइए।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन मामले में आरोपी की अंतरिम जमानत को नियमित जमानत किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने जमानत का मामला बनाया है। पीठ उस मामले की सुनवाई कर रही था जिसमें शीर्ष अदालत ने छत्तीसगढ़ के व्यवसायी सुनील कुमार अग्रवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

उनको कोयला परिवहन पर अवैध लेवी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने कहा था कि वह पहले ही एक साल और सात महीने की कैद काट चुके हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस उज्जल भुइयां ने ईडी की ओर से पेश एएसजी को कहा कि पंजीकृत 5000 मामलों में से 40 में दोषसिद्धि हुई है। अब आप कल्पना कर सकते हैं।

वहीं बेंच की अगुवाई कर रहे जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, आपको अभियोजन की गुणवत्ता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ये ऐसे गंभीर आरोप हैं जो इस देश की अर्थव्यवस्था को बाधित कर रहे हैं। यहां आप कुछ व्यक्तियों द्वारा दिए गए बयानों पर जोर दे रहे हैं। इस तरह के मौखिक सबूतों से क्या होगा। कल भगवान जाने कि वे इस पर कायम रहते हैं या नहीं। कुछ वैज्ञानिक साक्ष्य तो होने ही चाहिए।

## जन हितैषी

# आम जनता पर टैक्स की मार, सेवकों पर सरकार मेहरबान

पिछले 10 वर्षों से आम जनता के ऊपर लगातार टैक्स और शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं। आम जनता की वोट से चुने गए सांसद और विधायकों के वेतन भत्तों और सुविधाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशन बढ़ाई जा रही है। सांसद, विधायक और मंत्रियों को क्रीमी लेयर की श्रेणी का सम्मान और धन प्राप्त हो रहा है। उससे अब जनता के बीच में नाराजी देखने को मिल रही है। आम जनता टैक्स की मार से कराह रही है। जब देश स्वतंत्र हुआ था। उसके बाद राजनीति में समृद्ध परिवारों के बुजुर्ग अपने बच्चों को राजनीति में नहीं भेजना चाहते थे। उनका मानना था, जनसेवा के लिए घर का पैसा खर्च करेंगे। घर के कामकाज और व्यापार में कोई रुचि नहीं लेंगे। बहुत मुश्किल से लोग चुनाव लड़ने के लिए तैयार होते थे। उस समय विधायकों और सांसदों को इतना पैसा भी नहीं मिलता था। वह सत्र के समय राजधानी जाकर अपना खर्च पूरा कर सकें। पिछले तीन दशक में स्थितियां बडी तेजी के साथ बदली हैं। विधायकों और सांसदों के वेतन भत्ते लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। सांसदों और विधायकों की अप्रत्यक्ष सुविधायें भी बढ़ रही हैं। रेलवे और हवाई जहाज में मुफ्त यात्राएं करने का मौका मिल रहा है। बिजली पानी फ्री मे मिल रहा है। रहने के लिए आवास फ्री मिलता है। कई राज्यों में तो मंत्रियों और विधायकों का आयकर भी सरकार द्वारा भरा जा रहा था। कार्यकाल खत्म होने के बाद पेंशन मिलती है। जितनी बार के विधायक-सांसद उसी के अनुसार बढ़ी हुई पेंशन आजीवन मिलती है। एक बार चुनाव जीत गए, तो सारे जीवन निशुल्क यात्रा करने की पात्रता हो जाती है। यह सारा खर्च आम जनता द्वारा दिए गए टैक्स से सरकार करती है। जो जनता इन्हें वोट देकर चुनाव जिताती है। उसके बाद जीवन भर उसका बोझ भी उठाती है। पिछले वर्षों में राजनीति भी व्यापार बन गया है। विधायक, सांसद और मंत्रियों के परिवारजन बड़े-बड़े ठेके लेते हैं। उन्हें ही ठेके मिलते हैं। चुनाव जीतने के पहले जिनकी हैसियत चुनाव खर्च उठाने की नहीं होती है। कुछ वर्षों में वह करोड़ों-अरबों रुपए के मालिक वह और उनके परिवार के लोग बन जाते हैं। आम जनता पर लगातार टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। 8 वर्ष पहले जीएसटी कानून लागू किया गया था। इस कानून को लागू करने का उद्देश्य था। अप्रत्यक्ष करों को खत्म करके ऐसी टैक्स व्यवस्था लागू करना,जो सारे देश और सभी राज्यों में एक समान हो। नागरिकों को टैक्स से राहत देने का भरोसा जताया गया था। जीएसटी लागू होने के बाद बहुत सारे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स बंद किए जाने थे। जो केंद्र एवं राज्य सरकारों ने आज तक नहीं किये। उल्टे सेज और सरचार्ज लगाकर आम जनता से जजिया कर की तरह टैक्स वसूल किया जा रहा है। पेट्रोल डीजल और आयातित सामान सबसे बड़ा उदाहरण है। आम जनता पर टैक्स की दरों को बढ़ाकर 8, 12, 18 और 28 फ़ीसदी कर दिया। 2016 की तुलना में यह डबल हो गया है। गरीब जनता से भी जीएसटी में भारी टैक्स वसूल किया जाने लगा है। जीएसटी कर के दायरे में सेवाओं को भी शामिल किया गया। रेलवे की टिकट हो, बिजली का बिल, नगर निगम का टैक्स, कॉलेज की फीस, बैंक के शुल्क और सरचार्ज इत्यादि का ऐसा कोई सेक्टर नहीं छोड़ा। जो जीएसटी मे कवर ना होता हो। जीएसटी लागू होने के पहले सीएसटी के रूप में केंद्र सरकार को मात्र चार फ़ीसदी का टैक्स मिलता था। जब से जीएसटी लागू हुआ है। उसके बाद से केंद्र सरकार की कमाई कई गुना बढ़ गई है। वहीं राज्य सरकारों की कमाई जीएसटी लागू होने के बाद घटती चली जा रही है। राज्य सरकारें केंद्र के ऊपर आश्रित होती जा रही हैं। रही सही कसर टोल टैक्स, राज्य सरकारों का सेस, कई गुना लाइसेंस फीस बढ़ाने और जुर्माने के रूप में टैक्सों की वसूली बड़े पैमाने पर की जा रही है। पिछले एक दशक में आम जनता से भारी टैक्स वसूला जा रहा है। जनता टैक्स के बोझ से कराह रही है। आम जनता ने जिन लोगों को वोट देकर चुनाव जिताया। विधायक और सांसद बनाया। वह मौज कर रहे हैं। उनके वेतन भत्ते और सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। गरीब की अब कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आम जनता दो वक्त का पौष्टिक भोजन भी नहीं खा पा रही है। यह पिछले 10 सालों के टेक्स का सत्य है। सामान्य व्यक्ति पर टैक्स की कोई सीमा नहीं है। आम जनता से कई तरह से टैक्स वसूल किया जा रहा है। जिन परिवारों की आय 5 लाख रुपए वार्षिक से कम है। उन्हें अपनी आय का 60 से 65 फ़ीसदी तक विभिन्न टैक्स चुकाना पड़ रहा है। मात्र 35-40 फ़ीसदी आय को ही वह अपने परिवार में खर्च कर पा रहे हैं। जिस कारण गरीबों और मध्यम वर्ग के बीच में सरकार के प्रति गुस्सा बढ़ रहा है। सरकार को लगता है, गरीबों और मध्यम वर्ग की परिवारों के पास बहुत पैसा है। टैक्स लगाने के बाद वह सड़कों पर नहीं आए हैं। इसका मतलब है, वह टैक्स देने में सक्षम है। मंहगाई बढ़ने के बाद भी जनता सड़कों पर नहीं आती है, इसका मतलब जनता, सरकार की टैक्स प्रणाली से संतुष्ट है। अब आम जनता महंगाई और टैक्स का विरोध करने लगी है। जनता सड़कों पर उतरने मजबूर हो रही है। ऐसी स्थिति में सरकार को टैक्स में राहत देने की जरूरत है। अप्रत्यक्ष रूप से सरकारों द्वारा टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। अब इसका विरोध शुरू हो गया है। सरकार को ज्यादा से ज्यादा राहत देना अब समय की मांग है।

# निरंकुशता के कारण हसीना का निष्कासन

बांग्लादेश में जनभावना को दबाने एवं अनसूना करने से पनपे विद्रोह, आक्रोश एवं विरोध की निष्पत्ति है शेख हसीना सरकार का पतन। लम्बे समय से चला आ रहा आरक्षण विरोधी आंदोलन का आक्रोश उग्रतम होता गया, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह एवं निरंकुश बनना बड़ा कारण रहा। जनभावनाओं को कुचला जाना एवं अनसूना करने के कारण ही हसीना आनन-फानन देश छोड़कर भारत आने के लिए विवश होना पड़ा। उससे यही पता चलता है कि हालात किस कदर उनके खिलाफ हो गए थे। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि उनका इस्तीफा मांग रहे बगावती प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास में घुसकर तो तोड़फोड़ की ही, उनके पिता एवं बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले शेख मुजीब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ उनके नाम पर बने एक संग्रहालय को भी जला दिया। बांग्लादेश बेहाल हो गया, हिंसक एवं अराजक घटनाएं कहर बन कर हसीना के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा रही थी। जैसी आशंका थी, शेख हसीना के पलायन करते ही सेना ने सत्ता संभाल ली और मिली-जुली अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की। शायद सेना इसकी तैयारी पहले से कर रही थी।

भारतीय उपमहाद्वीप के श्रीलंका, नेपाल के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति भारत सरकार को सतर्क एवं सावधान रहने के साथ अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

जब-जब जिन-जिन देशों में जनता की आवाज को दबाया गया, एक विस्कोटक स्थिति बनी, क्रांति का शंखनाद हुआ। मान्य सिद्धान्त है कि आदर्श ऊपर से आते हैं, क्रांति नीचे से होती है। बांग्लादेश में क्रांति एवं विद्रोह का कारण भी यही स्थिति बना कि ऊपर से आदर्श की स्थितियों पर धुंधलका छाने लगा तो क्रांति नीचे से होने लगी, बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलसने लगा, आगजनी, तोड़फोड, हिंसक प्रदर्शनों में सैकड़ों लोग मारे गये, सरकारी सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश एवं जनता के विद्रोह को हल्के में लिया। वास्तव में हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव एवं घाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

चूंकि शेख हसीना ने अपने लंबे शासनकाल में बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान की और उसे आगे बढ़ाया, इसलिए उनकी सत्ता को कोई खतरा नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ समय पहले आरक्षण के खिलाफ छात्रों की ओर से शुरू हुआ आंदोलन उनके लिए मुसीबत बन गया। इस आंदोलन को शीघ्र ही शेख हसीना के सभी विरोधियों और साथ ही ऐसे कट्टरपंथी संगठनों ने भी समर्थन दे दिया, जो पाकिस्तान की कठपुतली माने जाते हैं। इसके चलते आरक्षण विरोधी आंदोलन सत्ता परिवर्तन के हिंसक अभियान में बदल गया। निश्चित ही पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संतुलन साधने की शेख हसीना की नीति से चीन भी उनसे रुष्ट था और इसी कारण उन्हें हाल की अपनी चीन यात्रा बीच में छोड़कर लौटना पड़ा था। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं।

हालांकि, शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक एवं असंगत आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतः बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया। जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश एवं जनान्दोलन के चरम के रूप में सामने आता ही है।

ताजा घटनाक्रम एवं हिंसक आंधी श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। नयी व्यवस्था एवं सोच में व्यापक सकाकरात्मक परिवर्तन हो, विदेशी ताकतों विशेषतः पाकिस्तान की कठपूतली बनने से बचना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, भारत बांग्लादेश का सबसे करीबी, सहयोगी और दुख के दिनों का साथी रहा है। शेख हसीना बांग्लादेश के बंग बंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में परिवार के ज्यादातर सदस्यों के साथ एक सैन्य तख्तापलट में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन शेख हसीना और उनकी बहन रेहाना उस वक्त जर्मनी में थी। इसलिए जिंदा बच गई थी। तब तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने शेख हसीना और उनकी बहन को भारत बुलाया था एवं संरक्षण प्रदान किया था। लेकिन हालिया उथल-पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की आसन्न वापसी भारत के लिये सावधान होकर अग्र-स्थितियों पर गंभीरता से ध्यान देने की है। बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस देश के अंतरिम प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि शेख हसीना का विरोध कर रहे छात्रों ने मोहम्मद यूनुस के नाम का समर्थन किया है। शेख हसीना और यूनुस का आपस में बहुत तनाव रहता था। अब यूनुस से उम्मीद की जा रही है कि वह देश को स्थिरता की ओर ले जा सकते हैं। भारत पडोसी देश के नाते बांग्लादेश में स्थिरता, शांति एवं सौहार्दपूर्ण स्थितियों की कामना करता है। ( लेखक-ललित गर्ग/ ईएमएस )

# मनु ने लौटाया शूटिंग का स्वर्णिम दौर

( पेरिस ओलंपिक 2024 )

पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन भारत का प्रत्येक व्यक्ति ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक जीतने की पक्की उम्मीदें लगाए बैठा था और ये उम्मीदें टिकी थी भारत की 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर पर। पूरी उम्मीद थी कि 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर ओलंपिक में अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करते हुए इस स्पर्धा में भी भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में कामयाब हो सकती हैं लेकिन इस बार वह पदक जीतने से थोड़ा सा चूक गई और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 40 में से 28 शॉट्स लगाने के साथ चौथे स्थान पर रही और इसी के साथ पेरिस ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक लगाने का उनका सपना भी अधूरा रह गया। दरअसल तीसरे और चौथे स्थान के शूटर के बराबर प्वाइंट थे। इसके बाद मनु और हंगरी की मेजर वेरोनिका के बीच शूटऑफ हुआ, जिसमें मनु केवल तीन निशाने ही लगा पाई जबकि हंगरी की शूटर ने चार बार टारगेट को हिट किया और उसी के साथ मनु पदक की रेस से बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन मनु का लक्ष्य ओलंपिक में एक नया इतिहास रचना था लेकिन वह पदक हासिल करने से मामूली सी पीछे रह गई। वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में हार के बाद मनु का कहना था कि उनके ऊपर इस इवेंट को लेकर काफी दबाव था। हालांकि 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में मिली इस हार के बावजूद भारत की इस इकलौती निशानेबाज ने वो खुशियां और गर्व के पल देश को दिए हैं, जिसकी ओलंपिक शुरू होने के समय तक शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

मनु ने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में तीन अलग-अलग शूटिंग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और तीनों में ही उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। 3 अगस्त को जब मनु वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में खेलने उतरी तो हर नजर उन्हीं के प्रदर्शन पर केंद्रित थी। भले ही वह यह मुकाबला हार गई लेकिन कुल तीन शूटिंग स्पर्धाओं में से उन्होंने अपने जोश और जज्बे के साथ दो में कांस्य पदक जीतकर भारत में शूटिंग के सुनहरे दौर को वापस लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मनु की ही बदौलत भारत ने पहली बार शूटिंग में किसी एक ओलंपिक सीजन में तीन मेडल हासिल किए हैं। विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पर्धाओं में अनेक पदक जीतने के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर मनु ने ऐसा अविस्मरणीय इतिहास रचा, जो उनके अलावा ओलंपिक के 124 वर्षों के इतिहास में अब तक भारत का कोई भी अन्य दएथलीट नहीं कर पाया। पेरिस ओलंपिक में मनु ने जिस तरह का जबरदस्त प्रदर्शन किया और अपने मैचों के दौरान जिस प्रकार का 'धाकड़' खेल दिखाया, उसी के कारण उन्हें अब मनु भाकर के साथ-साथ 'मनु धाकड़' भी कहा जाने लगा है।

मनु से पहले कोई भी पुरुष या महिला एथलीट एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने में सफल नहीं हुआ है। देश की आजादी से बहुत पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 में आयोजित हुए ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में कुल दो रजत पदक जीतकर एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने का रिकॉर्ड बनाया था और उम्मीद थी कि मनु 124 साल पुराने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकती हैं लेकिन 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर की ओलंपिक में ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी नहीं हो पाई। हालांकि पहला कांस्य पदक जीतने के साथ ही वह ओलंपिक के इतिहास में भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बन गई थी और उस पदक के साथ ही मनु ने शूटिंग में भारत के पदक के 12 वर्ष के सूखे को भी खत्म किया था। मनु से पहले 2012 के लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में एक-एक पदक जीते थे। ओलंपिक के 124 वर्ष के इतिहास में मनु से पहले भारत को शूटिंग में केवल 4 पदक ही नसीब हुए थे जबकि भारत केवल इसी ओलंपिक में मनु के दो पदकों सहित कुल 3 पदक जीत चुका है। शूटिंग में 2004 के एथेंस ओलंपिक में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रजत पदक जीता था, उसके बाद 2008 के बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण पदक भारत के नाम किया और 2012 के लंदन ओलंपिक में विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था।

ओलंपिक में मनु ने अपना पहला पदक 28 जुलाई 2024 को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के महिला वर्ग में जीता था। उस शूटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक में पदक हासिल करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थी। उसके बाद 30 जुलाई को मनु ने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता और उस जीत के साथ ही वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई थी। एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर वह सुशील कुमार और पीवी सिंधु को भी पीछे छोड़ चुकी हैं। दरअसल ओलंपिक इतिहास में मनु से पहले यही दो ऐसे भारतीय खिलाड़ी थे, जिन्होंने एकल स्पर्धा में दो पदक जीते थे लेकिन उन्होंने अपने पदक एक ही ओलंपिक में नहीं बल्कि अलग-अलग ओलंपिक में जीते थे। सुशील कुमार ने 2008 और 2012 के ओलंपिक में कुश्ती में जबकि स्टार शटलर पीवी सिंधु ने 2016 और 2020 में एक-एक पदक जीते थे। बहरहाल, देश के लिए एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर पर पूरे देश को गर्व है। ओलंपिक में अपने धाकड़ प्रदर्शन से मनु ने 140 करोड़ भारतवासियों का दिल जीत लिया। ( लेखक- योगेश कुमार गोयल/ईएमएस ) ( लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं )

### शब्द पहेली - 8092

**बाएँ से दाएँ**

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

**ऊपर से नीचे**

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8091 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

# भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने हेतु अशांति फैलाने के हो रहे हैं प्रयास

भारत की लगातार तेज हो रही आर्थिक प्रगति पर विश्व के कुछ देश अब ईर्ष्या करने लगे हैं एवं उन्हें यह आभास हो रहा है कि आगे आने वाले समय में इससे उनके अपने आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस सूची में सबसे ऊपर चीन का नाम उभर कर सामने आ रहा है। और फिर, चीन की अपनी आर्थिक प्रगति धीमी भी होती जा रही है। दूसरे, विश्व को भी आज यह आभास होने लगा है कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के मामले में केवल चीन पर निर्भर रहना बहुत जोखिम भरा कार्य है। इसका अनुभव विशेष रूप से विकसित देशों ने कोरोना महामारी के बाद से वितरण चैन में आई भारी परेशानी से किया है, जिसके चलते इन देशों में मुद्रा स्फीति की समस्या आज भी पूरे तौर पर नियंत्रण में नहीं आ पाई है। साथ ही, चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते उसके अपने किसी भी पड़ौसी देश से ( पाकिस्तान को छोड़कर ) अच्छे सम्बंध नहीं हैं। अतः कई देश अब यह सोचने पर मजबूर हुए हैं कि चीन+1 की नीति का अनुपालन ही उनके हित में होगा। अर्थात, यदि किसी उद्योगपति ने चीन में अपनी एक विनिर्माण इकाई स्थापित की है तो आवश्यकता पड़ने पर उसके द्वारा अब दूसरी विनिर्माण इकाई चीन में स्थापित न करते हुए इसे अब किसी अन्य देश में स्थापित किया जाना चाहिए। यह दूसरा देश भारत भी हो सकता क्योंकि भारत अब न केवल ''ईज आफ डूइंग बिजनेस'' के क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करता हुआ दिखाई दे रहा है बल्कि भारत में बुनियादी ढांचा के विस्तार में भी अतुलनीय प्रगति दृष्टिगोचर है।

केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू की गई कई नीतियों के चलते भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है और अब यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अर्थ के कई क्षेत्रों में तो भारत विश्व में प्रथम पायदान पर आ भी चुका है। इससे अब चीन के साथ अमेरिका को भी आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव में कमी आने की चिंता सताने लगी है। अतः विश्व के कई देशों में अब भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर ईर्ष्या की भावना विकसित होती दिखाई दे रही है। इस ईर्ष्या की भावना के कारण वे भारत के लिए कई प्रकार की समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करते दिखाई देने लगे हैं। यह समस्याएं केवल आर्थिक क्षेत्र में खड़ी नहीं की जा रही हैं बल्कि सामाजिक, राजनैतिक एवं आध्यात्मिक आदि क्षेत्रों में भी खड़ी करने के प्रयास हो रहे हैं।

सबसे पहिले तो कुछ देश प्रयास कर रहे हैं कि भारत में किस प्रकार सामाजिक अशांति फैलायी जाए। इसके लिए भारत की कुटुंब प्रणाली को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश में विभिन्न टी वी चैनल पर इस प्रकार के सीरियल दिखाए जा रहे हैं जिससे परिवार के विभिन्न सदस्यों के बीच आपस में छोटी छोटी बातों में लड़ने को बढ़ावा मिल रहा है। इन सीरियल में सास को बहू से, ननद को देवरानी से, छोटी बहिन को बड़ी बहिन से, एक पड़ौसी को दूसरे पड़ौसी से, संघर्ष करते हुए दिखाया जा रहा है। इन सीरियल के माध्यम से भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को हावी होते हुए दिखाया जा रहा है। जबकि भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति हमें संयुक्त परिवार में आपस में मिलजुल कर रहना सिखाती है, त्याग एवं तपस्या की भावना जागृत करती है एवं परिवार के छोटे सदस्यों द्वारा अपने बड़े सदस्यों का आदर करना सिखाती है। इसके ठीक विपरीत पश्चिमी सभ्यता के अंतर्गत संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं वे तो व्यक्तिगत स्तर पर केवल अपने आर्थिक हित साधते हुए नजर आते है। पश्चिमी देशों के इन प्रयासों से आज कुछ हद तक भारतीय समाज भी पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित होता हुआ दिखाई देने लगा है। आज विकसित देशों के परिवारों में बेटे के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात वह परिवार से अलग होकर अपना परिवार बसा लेता है। अपने बूढ़े माता पिता की देखभाल भी नहीं कर पाता है। इसके चलते इन देशों में सरकारों को अपने प्रौढ़ वर्ग के नागरिकों के देखरेख करनी होती है और इनके लिए सरकार के स्तर पर कई योजनाएं चलानी पड़ती है। आज इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या के लगातार बढ़ते जाने से सरकार के बजट पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जबकि भारत में संयुक्त परिवार की प्रथा के कारण ही इस प्रकार की कोई समस्या दिखाई नहीं दे रही है। अतः पश्चिमी देशों द्वारा भारत की कुटुंब प्रणाली को अपनाए जाने के स्थान पर इसे भारत में भी नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।

दूसरे, कई देश अब भारत में सामाजिक समरसता के तानेबाने को भी विपरीत रूप से प्रभावित करने के प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से हिंदू समाज में विभिन्न मत, पंथ मानने वाले नागरिकों को आपस में लड़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि इन्हें आपस में बांटा जा सके और भारत में अशांति फैलायी जा सके तथा जिससे देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित हो सके। भारत के इतिहास पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि भारत में जब जब सामाजिक समरसता का अभाव दिखाई दिया है तब तब विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजों को भारत में अपना शासन स्थापित करने में आसानी हुई है। उन्होंने ''बांटो एवं राज करो'' की नीति के अनुपालन से ही भारत के कुछ भू भाग पर अपनी सत्ता स्थापित की थी। अब एक बार पुनः इसी आजमाए हुए नुस्खे को पुनः आजमाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे वह जातिगत जनगणना करने के नाम पर हो अथवा समाज के विभिन्न वर्गों को दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर किये जाने वाले आंदोलनों की बात हो।

तीसरे, कई देशों द्वारा भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य देशों में भी अस्थिरता फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सबसे ताजा उदाहरण बांग्लादेश का लिया जा सकता है जहां हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। अब बांग्लादेश में अतिवादी दलों के हाथों में सत्ता की कमान जाती हुई दिखाई दे रही है इससे अब बांग्लादेश में भी आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। मालदीव में पूर्व में ही भारत विरोध के नाम पर अतिवादी दलों ने सत्ता हथिया ली है, जो वहां भारत ''गो बैक'' के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं चीन के साथ अपने राजनैतिक रिश्ते स्थापित कर रहे हैं। नेपाल में भी हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद वे चीन के करीब जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। श्रीलंका पूर्व में ही राजनैतिक अस्थिरता के दौर से गुजर चुका है। पाकिस्तान तो घोषित रूप से अपने आप को भारत का दुश्मन देश कहलाता है। अफगानिस्तान में भी तालिबान की सत्ता स्थापित हो चुकी है, हालांकि अफगानिस्तान ने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है।

कुल मिलाकर भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने हेतु कुछ देशों द्वारा भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में अशांति फैलाकर ये देश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भारत में आने से रोकने के प्रयास कर रहे हैं ताकि विदेशी कम्पनियां भारत में विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित हों और देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण कर ले। इस प्रकार के माहौल में आज भारत के आम नागरिकों में देश प्रेम का भाव जगाने की सबसे अधिक आवश्यकता है एवं विभिन्न समाजों एवं मत पंथ को मानने वाले नागरिकों के बीच आपस में भाई चारा स्थापित करने की भी महती आवश्यकता है। अन्यथा, एक बार पुनः विदेशी ताकतें भारत की आम जनता को आपस में लड़ा कर इस देश पर अपना शासन स्थापित करने में सफल हो सकती हैं। परंतु, हर्ष का विषय है कि भारत में कई सांस्कृतिक संगठन अब कुछ देशों की इन कुटिल चालों से भारत की आम जनता को अवगत कराने के प्रयास करने लगे हैं एवं समाज की सज्जन शक्ति भी अब इन बातों को जनता के बीच ले जाकर उन्हें इस प्रकार के कुत्सित प्रयासों के परिणामों से अवगत कराने लगी हैं और कुछ हद्द तक इसका आभास अब आम जनता को होने भी लगा है।( लेखक- प्रहलाद सबनानी/ ईएमएस )

## खेल - समाचार

# विनेश के आलावा रोहिदास और निशांत भी हुए भेदभाव के शिकार

नई दिल्ली ( ईएमएस )। भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट को कुश्ती के फाइनल से पहले ही वजन अधिक होने के नाम पर अयोग्य घोषित कर दिये जाने से देश भर में निराश है। भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने कहा है कि इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा। ये पहला मामला नहीं है जब इस प्रकार भारतीय खिलाड़ियों के साथ भेदभाव हुआ है। इससे पहले भी ऐसे मामले हुए हैं।

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य डिफेंडर अमित रोहिदास को भी ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में लाल कार्ड दिखाकर एक मैच से बाहर कर दिया गया था। इसके अलावा भारतीय मुक्केबाज निशांत देव को भी पुरूषों के 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में दो राउंड जीतने के बाद भी मैक्सिको के मार्को वेरडे के साथ हुए मुकाबले में पराजित घोषित कर दिया गया था। वेल्टरवेट के इस मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता निशांत ने अच्छी शुरूआत की थी पर बंटे हुए फैसले के आधार पर उन्हें 1-4 से हारा हुआ घोषित कर दिया गया।

मुक्केबाजी में ओलंपिक कांस्य जीत चुके विजेंदर सिंह और अभिनेता रणदीप हुड्डा ने भी इस मुकाबले के दौरान स्कोरिंग सिस्टम पर सवाल उठाये थे। 23 साल के निशांत ने पहला राउंड जीता था पर अगले दो राउंड में वेरडे को विजयी घोषित कर दिया गया था। विजेंदर ने निशांत को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए तारीफ की और मैच में स्कोर करने की प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मुझे नहीं पता कि स्कोरिंग सिस्टम क्या है पर मुझे लगता है कि बहुत करीबी लड़ाई थी। अभिनेता रणदीप हुड्डा का मानना है कि निशांत को बाहर कर उनसे ओलंपिक पदक लूट लिया गया है।

# विनेश के अयोग्य घोषित होने से सेमी फाइनल हारी लोपेज खेलेगी फाइनल

पेरिस ( ईएमएस )। भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित होने के बाद अब सेमीफाइनल में हारने वाली क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज की किस्मत खुल गयी है। विनेश से हारी लोपेज को अब फाइनल में जगह मिल गयी है। क्यूबा की पहलवान लोपेज को अब स्वर्ण के लिए होने वाले मुकाबले में अमेरिका की सारा हिल्डब्रांड से खेलना है। वहीं विनेश को वजन वर्ग में 100 ग्राम अधिक होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया। नियमों के अनुसार अब उन्हें तालिका में अंत में रखा जाएगा। जिससे उन्हें कोई पदक नहीं मिलेगा।

# पेरिस ओलंपिक की पदक तालिका में नंबर एक परकायम है अमेरिका, भारत 63वें स्थान पर खिसका

पेरिस ( ईएमएस )। पेरिस ओलंपिक में अमेरिका अभी भी सबसे ज्यादा स्वर्ण के साथ ही नंबर एक पर बना हुआ है। अमेरिका के 24 स्वर्ण, 31 रजत और 31 कांस्य पदकों के साथ ही कुल 86 पदक हो गये हैं। वहीं चीन 22 स्वर्ण, 21 रजत और 16 कांस्य पदकों के साथ ही 59 पदक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 14 स्वर्ण , 12 रजत और 9 कांस्य के साथ ही कुल 35 लेकर तीसरे स्थान पर है जबकि मेजबान फ्रांस 13 स्वर्ण, 16 रजत और 19 कांस्य के साथ ही कुल 48 पदकों के साथ चौथे स्थान पर फिसल गया है। इसके अलावा ब्रिटेन 12 स्वर्ण, 15 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीतकर पांचवें स्थान पर है। भारत अब तक केवल 3 कांस्य पदक के साथ ही 63वें स्थान पर बना हुआ है।

पदक तालिका इस प्रकार है।

शीर्ष-5 टीमें इस प्रकार हैं :

1 अमेरिका ( 24 स्वर्ण , 31 रजत और 31 कांस्य ); कुल 86
2 चीन ( 22 स्वर्ण , 21 रजत और 16 कांस्य ); कुल 59
3 ऑस्ट्रेलिया ( 14 स्वर्ण , 12 रजत और 9 कांस्य ); कुल 35
4 फ्रांस ( 13 स्वर्ण , 16 रजत और 19 कांस्य ); कुल 48
5 ग्रेट ब्रिटेन ( 12 स्वर्ण, 15 रजत और 19 कांस्य ) ; कुल 46 !

# भारत, यूएई और श्रीलंका में हो सकता है अगला महिला टी20 विश्वकप : आईसीसी

दुबई ( ईएमएस )। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद खराब होते हुए हालातों के बीच ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ( आईसीसी ) ने कहा है कि अब अगले साल होने वाले टी-20 महिला विश्वकप का आयोजन वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है। आईसीसी के अनुसार इसके लिए भारत, संयुक्त अरब अमीरात ( यूएई ) और श्रीलंका के नाम तय किये गये हैं। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा और वहां के खराब होते हुए माहौल पर नजर रखी जा रही हैं। वहीं आईसीसी की ओर से एक बयान में कहा गया, 'आईसीसी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ( बीसीबी ) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं सभी टीमों की सुरक्षा और देखभाल को लेकर है। बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। साथ ही कहा कि इस तरह के हालातों से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में तय किया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है।

# स्वदेश लौटने पर मनु का हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली ( ईएमएस )। पेरिस ओलिंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर वापस लौटी महिला निशानेबाज मनु भाकर का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। दिल्ली एयरपोर्ट पर परिजनों के साथ ही उनके प्रशंसक भी भारी संख्या में मौजूद थे। इस दौरान मनु ने कहा कि लोगों का प्यार देखकर बेहद खुशी हुई है। वहीं उनके प्रशंसक भी जोश से भरे नजर आये।

मनुने पेरिस ओलंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में दो पदक जीते हैं। वह अब पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्हें ये सम्मान दो पदक जीतनेके लिए दिया गया है। मनु ने10 मीटर एयर पिस्टल के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर10मीटर एयर पिस्टल में एक कांस्य पदक भी जीता है। भारतीय ओलंपिक संघ ने कहा कि आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा और मुख्य दल प्रतिनिधि गगन नारंग ने घोषणा की है कि निशानेबाज मनु भाकर समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। वहीं पुरुष ध्वजवाहक का चयन बाद में किया जाएगा।

# महाबली सतपाल बोले ये विनेश का ही नहीं देश का भी नुकसान

नई दिल्ली ( ईएमएस )। दिग्गज पहलवान और कोच महाबली सतपाल ने पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवान विनेश फोगाट के वजन वर्ग में अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने पर दुख जताया है। सतपाल ने कहा कि ये बहुत बुरी खबर है पर साथ ही कहा कि आखिर कैसे एक खिलाड़ी और कोच इतने लापरवाह हो सकते हैं कि मुकाबले से ठीक पहले वजन बढ़ा हुआ आए और उन्हें अंदाजा न हो। साथ ही कहा कि वजन लेने की प्रक्रिया सबके सामने होती है और यह खिलाड़ी और कोच की जिम्मेदारी है कि उप पर नियंत्रण बनाये रखें। उन्होंने बताया कि मुकाबले से पहले खिलाड़ियों का वजन लिया जाता है। इसके बाद वहां मौजूद अधिकारी खिलाड़ी को इसके लिए आधे घंटे का समय देते हैं। अगर खिलाड़ी का वजन तब भी ज्यादा निकलता है तभी उसे अयोग्य घोषित किया जाता है।

सतपाल ने विनेश के साथ सहानुभूति जताते हुए कहा कि इस बार वह स्वर्ण पदक जीतने वाली थी पर वजन के कारण इस सब पर पानी फिर गया। सतपाल ने कहा कि यह ना केवल विनेश का बल्कि देश का भी नुकसान है क्योंकि एक स्वर्ण पदक उसके तालिका में ऊपर पहुंचा सकता था।

ओलंपिक कुश्ती में मुकाबलों से पहले पहलवानों को अपना वजन कराना होता है पर अगर किसी वजन वर्ग के मुकाबले दो दिन में पूरे होते हैं तो दूसरे दिन भी मुकाबलों से पहले वजन किया जाता है। खासतौर से फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों का वजन दूसरे दिन भी लिया जाता है। हर पहलवान को पहले दिन वजन कराने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाता है जबकि दूसरे दिन 15 मिनट का समय दिया जाता है। इस दौरान वो कई बार अपना वजन ठीक करा सकता है।

# अब एसए-20 में पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलेंगे कार्तिक

नई दिल्ली ( ईएमएस )। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अब दक्षिण अफ्रीका के एसए-20 टूर्नामेंट में खेलते नजर आयें। एसए-20 टूर्नामेंट अगले साल नौ जनवरी से शुरु होगा। कार्तिक इसमें पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलेंगे। वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे। कार्तिक ने इस साल जून में ही खेल को अलविदा कहा था। उसके बाद से ही वह एसए-20 में खेल रहे हैं। वहीं रॉयल्स फ्रैचाइजी के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कार्तिक का टीम में स्वागत करते हुए कहा, 'कार्तिक सीमित ओवर के एक दिग्गज खिलाड़ी हैं

### शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

# सेंसेक्स 874 अंक, निफ्टी 304 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई और पूरे दिन यही सिलसिला जारी रहा। कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 874 अंक की बढ़त लेकर 79,468 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी 304 अंक की तेजी रही और ये 24,279 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़ रही। इसी कारण आईटी इंडेक्स 2 फीसदी उछला। वहीं एनबीएफसीएस और सरकारी शेयर भी बढ़त पर बंद हुए।

बांग्लादेश में जारी हिंसा के कारण उसके कपड़ा उद्योग में कामकाज बंद है। ऐसे में भारतीय कपड़ा उद्योग की ओर विदेश खरीदारों का रुख हो सकता है। जिससे भारतीय कपड़ा कंपनियों के शेयर में भारतीय उछाल आया है। आज कारोबार के दौरान एमएंडएम 2.23 फीसदी, इनफोसिस 2.19 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलाजी 2 फीसदी ऊपर आया जबकि अडानी पोर्ट का शेयर 1.55 फीसदी और डॉ शूणट में भी 1.50 फीसदी की तेजी आई। वहीं मिडकैप कंपनियों में शामिल ऑयल इंडिया के शेयर 6.89फीसदी, लूपिन के शेयर 4.30 फीसदी उछले जबकि स्मालकैप कंपनियों के शेयरों की बात करें तो मुफ्ती शेयर 10.25शेयर, एसपीएएल 8.96 फीसदी और आईएफ्सी इंडिया के शेयर 7.57 फीसदी बढ़े। वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। शुरुआती कारोबार में बाजार ने सकारात्मक शुरुआत और 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 963 अंक ऊपर आकर 79,556 पर पहुंचा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 294 अंक बढ़कर 24,286 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान मिडकैप इंडेक्स 1.37 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.01 फीसदी ऊपर आया।

निफ्टी में ओएनजीसी, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प और एमएंडएम के शेयरों में बढ़त रही जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया के शेयर नीचे आये। एशिया-प्रशांत बाजारों की शुरुआत आज मिली-जुली रही, जो प्रमुख अमेरिकी सूचकांकों में तीन लगातार दिनों की गिरावट के बाद हुई उछाल के बाद हुई है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.76 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 1.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, और नैसडैक कंपोजिट 1.03 फीसदी बढ़ा।

## रुपए का आउटलुक बदला, आरबीआई ब्याज दरों को लेकर करेगा फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की छह सदस्यों वाली मॉनेटरी पालिसी कमिटी (एमपीसी) गुरुवार को ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का एलान करेगी। भारतीय रुपए का आउटलुक पिछले महीने से बदला है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरबीआई ने इंडियन करेंसी को एक सीमित दायरे में रखने का प्रयास किया है। जापान के कैरी ट्रेड में अचानक लिक्विडेशन में उथल-पुथल के बाद वैश्विक बाजारों में आई भारी गिरावट ने मंगलवार को रुपए को 83.96 प्रति डॉलर के लेवल पर धकेल दिया।

आरबीआई ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.5 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से एमपीसी ने पिछली आठ मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक में ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। आईडी एफसी फर्स्ट बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि फूड इन्फ्लेशन जोखिम को लेकर पालिसी का रुख सतर्क होगा।

प्रतिकूल मौसम के कारण महंगाई के बढ़ने का दबाव बना हुआ है। रोजाना खाने-पीने की चीजों की कीमतों से संकेत मिलता है कि जुलाई में रिटेल कीमतें ऊंची रही हैं और सब्जियों जैसे जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि राहत की बात है कि मुख्य मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले स्तर पर है, जिससे संकेत मिलता है कि सामान्य तौर पर कीमतों का दबाव नहीं है। ऐसे में मौद्रिक नीति में खुदरा मुद्रास्फीति को चार फीसदी लक्ष्य के करीब बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि 2024 में उच्च वृद्धि और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.9 फीसदी मुद्रास्फीति को देखते हुए मानसून के उत्तरार्द्ध में बारिश का वितरण सामान्य रहा और खाद्य मुद्रास्फीति आगे भी अनुकूल रही। वैश्विक और घरेलू में प्रतिकूल घटनाएं नहीं हुईं तो अक्टूबर 2024 में आरबीआई के रुख में बदलाव आ सकता है। एमपीसी के छह सदस्यों में से दो ने जून की बैठक में ब्याज दर में कटौती करने के पक्ष में मत दिया था। उनका तर्क था कि मॉनेटरी पॉलिसी ज्यादा सख्त होने से बढ़ती अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

# सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं हैं। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही पर इसके बाद दाम गिरने लगे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 68,800 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 79,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना तेज शुरुआत के बाद नीचे आया जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई पर बाद में इसके दाम नीचेआने लगे। मल्टी कमोडिटी एक्स चेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट आज 575 रुपये की तेजी के साथ 69,440 रुपये के भाव पर खुला। यह ने 69,440रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 68,740 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचा।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 283 रुपये की गिरावट के साथ 79,623 रुपये पर खुला। ये 79,478 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 79,338 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। इस साल चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये।

अंतराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत तो तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव गिर गए। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2,432.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,431.60 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.08 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.21 डॉलर था।

## पान मसाला मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों की खैर नहीं......लगेगा 1 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों पर अपनी मशीन का रजिस्ट्रेशन न कराने पर एक अक्टूबर से एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाने का ऐलान किया है। यह जुर्माना उन कंपनियों पर लगाया जाएगा जो अपनी पैकिंग मशीनरी को जीएसटी प्राधिकरणों के पास रजिस्टर्ड नहीं कराती हैं। जीएसटी नेटवर्क ने मई और जून में इसतरह के विनिर्माताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली मशीनों के पंजीकरण और खरीदे गए कच्चे माल तथा उत्पादन की रिपोर्ट प्राधिकरणों के पास भेजने के लिए दो फॉर्म, जीएसटी एसआरएम-ध्द और ध्ध, नोटिफाई किए थे।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बताया कि जीएसटी अधिकारियों के पास अपनी पैकिंग मशीन को पंजीकृत न कराने पर एक अक्टूबर 2024 से एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगेगा। सीबीआईसी ने जनवरी में पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के विनिर्माताओं के लिए जीएसटी अनुपालन में सुधार के वास्ते एक अप्रैल से एक नई पंजीकरण तथा मासिक रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की थी। जिसे बाद में बढ़ाकर 15 मई कर दिया गया था। जीएसटी एसआरएम-ध्द और ध्ध के आने से इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपनी पैकेजिंग मशीनों को रजिस्टर करने की सुविधा देता है। यह जरूरी उत्पादन को ट्रैक करने और संभावित विसंगतियों की पहचान करने में मदद करेगा।

# बम्पर कमाई के बाद एलआईसी को फिर हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी में इस साल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर सरकार विचार कर रही है। केंद्र सरकार मई 2022 में इस कंपनी का आईपीओ लाई थी जिसके जरिए उसने 21,000 करोड़ रुपए कमाए थे। इस आईपीओ के तहत सरकार ने कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। एलआईसी में अभी सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि सरकार कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम करने के लिए एफपीओ और क्यूआईपी लाने पर विचार कर रही है। कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में तीन फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 1116.95 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही कंपनी का बाजार कैप 7,03,497.87 करोड़ पर पहुंच गया है।

सेबी नियमों के मुताबिक हर लिस्टेड कंपनी की 25 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक के पास होनी चाहिए। सरकार ने पिछले साल एलआईसी को इस शर्त को पूरा करने के लिए दस साल की छूट दी थी। कंपनी को मई 2032 तक यह काम करना होगा। सेबी ने 14 मई 2024 को एलआईसी को दस फीसदी पब्लिक शेयर होल्डिंग की शर्त को पूरा करने के लिए तीन साल का अतिरिक्त समय दिया था। उसे पांच साल के अंदर 16 मई 2027 तक यह काम करना होगा। प्रीमियम के हिसाब से इसकी बाजार हिस्सेदारी 58.87 फीसदी और पॉलिसीज के हिसाब से 69.91 फीसदी है।

एलआईसी का 21,000 करोड़ रुपए आईपीओ मई 2022 में आया था। यह भारतीय इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसका इश्यू प्राइस 949 रुपए था। इसकी लिस्टिंग 17 मई, 2022 को थी। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,221.50 रुपए और न्यूनतम स्तर 597.65 रुपए है। पिछले सत्र में यह 1079.20 रुपए पर बंद हुआ था और आज 1116.55 रुपए पर खुला। कारोबार के दौरान यह तीन फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 1116.95 रुपए पर आ गया। सुबह 9.50 बजे यह 2.62फीसदी तेजी के साथ 1107.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था।

## फ्लाइट टिकट पर पाएं 18 प्रतिशत तक की छूट

नई दिल्ली(ईएमएस)। यात्रियों को हर फ्लाइट बुकिंग पर बेहतरीन डिस्काउंट मिल रहा है। 8 अगस्त तक यात्री अपनी पसंद की डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट बुकिंग पर 18 प्रतिशत तक की छूट पा सकते हैं। इंडिगो ने अपने 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर कस्टमर्स के लिए स्पेशल सेल की घोषणा की है। इस सेल के तहत, पैसेंजर्स को फ्लाइट बुकिंग पर 18 प्रतिशत तक का डिस्काउंट मिलेगा। यह छूट केवल इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करने पर ही उपलब्ध होगी। इंडिगो ने अपने कस्टमर्स के लिए हैप्पी इंडिगो डे सेल की घोषणा की है, जो 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चलेगी। इंडिगो के नए ऑफर में पैसेंजर्स को फ्लाइट टिकट पर 18 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए पैसेंजर्स को इंडिगो की वेबसाइट से बुकिंग करनी होगी और स्पेशल कोड का उपयोग करना होगा।

## किसानों को होगा फायदाः चावल एक्सपोर्ट पर लगा बैन हटा सकती है सरकार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अब सरकार जल्द ही चावल पर प्रतिबंध को हटाने पर विचार कर रही है, जिससे आने वाले दिनों में धान किसानों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य मिल सकता है। दरअसल इस साल भारत में पर्याप्त मात्रा में बारिश हुई है, जिससे धान की अच्छी पैदावार की उम्मीद है। देश में धान की कम पैदावार और खाद्यान्न की कीमतों को कंट्रोल में रखने के उद्देश्य से भारत सरकार ने पिछले साल गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस प्रतिबंध का प्रभाव दुबई, कुवैत और अन्य खाड़ी देशों से लेकर अमेरिका तक महसूस किया गया था।

दूसरी ओर, सरकार के पास चावल का बफर स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे देश में चावल की कमी की चिंताएं दूर हो गई हैं। ऐसे में, सरकार द्वारा निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाना स्वाभाविक है।नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद का कहना है कि बफर स्टॉक की अच्छी स्थिति है। वहीं पर्याप्त बारिश होने से धान की फसल बेहतर रहने की उम्मीद है। ऐसे में सरकार इस साल गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर लगे बैन को हटा सकती है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि चावल की आपूर्ति को लेकर चिंता करने की जरूरत है। वर्तमान में स्थिति काफी संतोषजनक है। अगर सरकार इस समय चावल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटा भी लेती है, तो भी बड़ी मात्रा में चावल देश से बाहर नहीं जाएगा। इससे न केवल घरेलू बल्कि विदेशी बाजार में भी चावल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

# जुलाई में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों थाली मंहगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस साल जुलाई में खाना महंगा हो गया है। जुलाई में वेज (शाकाहारी) और नॉन वेज (मांसाहारी) दोनों थाली की कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है। हालांकि सालाना आधार पर दोनों थाली की कीमतों में कमी दर्ज हुई है। वेज थाली में रोटी, चावल, दाल, दही, सलाद के साथ ही प्याज, आलू, टमाटर होते हैं। मांसाहारी में शाकाहारी थाली के काफी खाद्य पदार्थ होते हैं। लेकिन दाल की जगह चिकन (ब्रॉयलर) होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस साल जून में शाकाहारी थाली की कीमत 29.4 रुपये थी, जो जुलाई में बढ़कर 32.6 रुपये हो गई। इस तरह जून की तुलना में जुलाई में शाकाहारी थाली करीब 11 फीसदी महंगी हुई।

हालांकि सालाना आधार पर जुलाई में शाकाहारी थाली 4 फीसदी सस्ती हुई है क्योंकि सालाना आधार पर टमाटर के भाव में 40 फीसदी कमी आई है। सालाना आधार पर प्याज 65 और आलू 55 फीसदी महंगा होने से शाकाहारी थाली के दाम और कम होने से रुक गए। रिपोर्ट के अनुसार शाकाहारी थाली महंगी होने की मुख्य वजह टमाटर के दाम बढ़ना है। जून की तुलना में जुलाई में टमाटर के भाव 55 फीसदी बढ़कर 66 रुपये किलो हो गए। इसके अलावा जुलाई में आलू व प्याज के भाव क्रमशः 20 और 16 फीसदी बढ़ने के कारण भी शाकाहारी थाली महंगी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार इस साल जून में मांसाहारी थाली की कीमत 58 रुपये थी, जो जुलाई में 6 फीसदी बढ़कर 61.4 रुपये हो गई। इसकी भी वजह टमाटर महंगा होना है। शाकाहारी की तुलना में मांसाहारी थाली कम महंगी होने का कारण इस थाली में 50 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले ब्रॉयलर के दाम स्थिर रहना हैं। पिछले साल जुलाई में इस थाली की कीमत 67.8 रुपये थी, जो इस जुलाई घटकर 61.4 रुपये रह गई। सालाना आधार पर मांसाहारी थाली सस्ती होने की वजह ब्रॉयलर के दाम में 11 फीसदी कमी आना है।

# बंग्लादेश में जारी हिंसा के बीच भारत का बड़ा फैसला, ढाका में ही रहेंगे राजनयिक; परिवारों की होगी वापसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने राजधानी ढाका व दूसरे शहरों में स्थित अपने उच्चायोग के कार्यालयों में उच्चायुक्त व दूसरे राजनयिकों को तैनात रखने का फैसला किया है। हालांकि वहां कार्यरत गैर-आवश्यक व अराजनयिक पदों पर तैनात कर्मचारियों व राजनयिकों के परिवार के लोगों को स्वैच्छिक तरीके से स्वदेश लौटने की इजाजत दे दी गई है।

ये लोग वाणिज्यिक फ्लाइटों से भारत लौट रहे हैं। सूत्रों ने बताया है कि भारतीय उच्चायोग काम कर रहा है। हालांकि उसे स्थानीय पुलिस से पूरी सुरक्षा दी गई है। भारत ने बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने वाले छात्रों को लेकर दो टूक फैसला नहीं किया है। इनमें से अधिकांश छात्र वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। खास तौर पर जम्मू व कश्मीर के काफी छात्र बांग्लादेश में मेडिकल की शिक्षा हासिल कर रहे हैं।

करीब 19 हजार भारतीय अभी भी बंग्लादेश में

एक दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि अभी भी बांग्लादेश में 19 हजार के करीब भारतीय हैं, जिनमें 9,000 भारतीय छात्र हैं। यह स्थिति तब है जब पिछले एक महीने में कई बार भारत सरकार ने बांग्लादेश को लेकर चेतावनी जारी की है। बताया जा रहा है कि जुलाई माह में 4500 भारतीय छात्र लौट आये हैं, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में वहां हैं।

बंग्लादेश में जारी विरोध प्रदर्शनों और भारी हिंसा के बीच भारत ने फैसला किया है कि राजनयिकों को फिलहाल ढाका में ही रखा जाएगा। उन्हें स्थानीय पुलिस सुरक्षा मुहैया करा रही है। हालांकि राजनियकों के परिवारों को स्वदेश लौटने की इजाजत दी गई है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक बंग्लादेश में अभी भी तकरीबन 19 हजार भारतीय रह रहे हैं। राजनयिकों के परिवार को स्वैच्छिक तरीके से स्वदेश लौटने की इजाजत दी गई। स्थानीय पुलिस की सुरक्षा के साथ ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग कर रहा है काम।

वर्ष 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बांग्लादेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि भारत सरकार अभी वहां के हालात की निगरानी कर रही है। उच्चायोग की तरफ से टोल फ्री नंबर जारी किये गये हैं, जहां भारतीयों को संपर्क करने को कहा गया है। उच्चायोग के अधिकारी स्थानीय प्रशासन के साथ भी संपर्क हैं और जिन विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों की संख्या ज्यादा है, वहां भी संपर्क साधा गया है।

## छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले में CBI ने लिया एक्शन, 15 स्थानों पर की ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने 2022 में आयोजित लोक सेवा आयोग परीक्षा में भाई-भतीजावाद के आरोपों के सिलसिले में छत्तीसगढ़ में 15 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि राजनेताओं, पीएससी अधिकारियों और लोक सेवकों के 'अयोग्य' परिवार के सदस्यों को आकर्षक सरकारी नौकरियों में भर्ती किया गया। उन्होंने बताया कि रायपुर में छह, दुर्ग में तीन, महासमुंद और धमतरी में दो-दो तथा सरगुजा और बिलासपुर में एक-एक जगह छापेमारी की गई, जो भाई-भतीजावाद से लाभान्वित होने वाले लोगों से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने 16 ऐसे उम्मीदवारों के नाम बताए हैं, जिन्हें डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक्षक और अन्य आकर्षक पदों पर नियुक्त किया गया था।

उन्होंने बताया कि एजेंसी ने बुधवार को 15 उम्मीदवारों के परिसरों की तलाशी ली, जबकि एक उम्मीदवार के आवास की तलाशी पहले ली गई थी। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष तामन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव और एक परीक्षा नियंत्रक के खिलाफ जुलाई में अपने बेटे, बेटियों, रिश्तेदारों और परिचितों को मेरिट सूची में उच्च अंक दिलाने में मदद करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में सोनवानी के परिवार के पांच सदस्य लाभान्वित हुए। इनमें उनके बेटे नितेश और बहू निशा कोसले (डिप्टी कलेक्टर), बड़े भाई का बेटा साहिल (डिप्टी एसपी), बहू दीपा आदिल (जिला आबकारी अधिकारी) और बहन की बेटी सुनीता जोशी (श्रम अधिकारी) शामिल हैं।

## याह्या सिनवार हमास चीफ बना

बेरूत(ईएमएस)। इस्माइल हानियेह की मौत के बाद याह्या सिनवार को हमास का चीफ बनाया गया है। हमास ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले याह्या सिनवार सिर्फ गाजा में हमास की कमान संभाल रहा था। हानियेह जहां कतर से संगठन को ऑपरेट कर रहा था वहीं, सिनवार गाजा में ही रहता है। 2017 में जब उसे गाजा का चीफ बनाया गया था, तब से वह कभी भी सामने नहीं आया है। सिनवार की हमास पर काफी मजबूत पकड़ है। 1 जुलाई को तेहरान में हानियेह के ठिकाने पर मिसाइल से हमला किया गया था। इसमें हानियेह और उसके एक बॉडीगार्ड की मौत हो गई थी। हानियेह की अगुआई में ही हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर 75 सालों का सबसे बड़ा हमला किया था। इसमें 1,200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सिनवार इसका मास्टरमाइंड था।

### बांग्लादेश में हसीना की पार्टी अवामी लीग और उनके सहयोगी दलों से जुड़े 29 नेताओं की हत्या

# बांग्लादेश में आज अंतरिम सरकार लेगी शपथ -चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस देश लौटेंगे

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच गुरुवार को रात साढ़े 8 बजे नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। आर्मी चीफ वकार-उज-जमान ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई सरकार में 15 सदस्य होंगे। अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस भी गुरूवार को पेरिस से बांग्लादेश लौटेंगे। दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे चुकीं शेख हसीना यूएसई या सऊदी अरब जा सकती हैं। लंदन में पनाह न मिलने के बाद वे फिनलैंड या मिडिल ईस्ट के देश जैसे यूएसई और सऊदी जा सकती हैं। इससे पहले हसीना के बेटे वाजेद जॉय ने कहा था कि उन्होंने किसी दूसरे देश से पनाह नहीं मांगी हैं। हसीना अभी भारत में ही रहेंगी। दूसरी तरफ, बांग्लादेश में हसीना की पार्टी अवामी लीग और उनके सहयोगी दलों से जुड़े करीब 29 नेताओं की हत्या कर दी गई।

लंदन में पनाह न मिलने के बाद शेख हसीना अब यूएई, सऊदी अरब या फिनलैंड जा सकती हैं। हालांकि, उनके बेटे वाजेद जॉय ने कहा है कि हसीना ने फिलहाल किसी और देश में शरण नहीं मांगी है। इससे पहले मंगलवार को अमेरिका ने हसीना का वीजा रद्द कर दिया था। अमेरिकी अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर इस मामले में कोई जानकारी नहीं दी है।

भारतीय दूतावास के 190 कर्मचारी बांग्लादेश से लौटे

बांग्लादेशी एक्टर शान्तो खान और उनके पिता सलीम खान को भी भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। सलीम अवामी लीग पार्टी से जुड़े थे। बांग्लादेश में सुरक्षा कारणों के चलते वहां से भारतीय के दूतावास के 190 कर्मचारियों को निकाला गया है। वहीं बांग्लादेश में आंदोलन का नेतृत्व करने वाले स्टूडेंट्स की सिफारिश के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया। पड़ोसी देश में हिंसा के बीच शेख हसीना ने 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ दिया था। वह मिलिट्री एयरक्राफ्ट से भारत आई थीं। फिलहाल उन्हें सेफ हाउस में रखा गया है।

छात्रों ने देश को दूसरा विक्ट्री डे दिलाया

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने आंदोलन का हिस्सा रहे छात्रों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं बहादुर छात्रों को देश को दूसरा विक्ट्री डे देने पर बधाई देता हूं। हमें इस जीत का सही इस्तेमाल करना है। मैं सभी से शांत रहने और हिंसा न करने की अपील करता हूं। हमें साथ मिलकर देश को आगे बढ़ाना है।

## हसीना सरकार को हटाना, बांग्लादेश की दूसरी आजादी की तरहः पीएम यूनुस

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में फैली अराजकता के बीच मंगलवार रात अंतरिम सरकार का गठन हो गया इसमें नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति मुहम्मद शहाबुद्दीन ने छात्र आंदोलन के समन्वयक मंडल के 13 सदस्यों से बातचीत के बाद यूनुस को पीएम बनाने का ऐलान किया। इस बातचीत में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। इससे पहले राष्ट्रपति ने देश की संसद को भंग कर दिया था जिससे अब नए आम चुनाव का रास्ता साफ हो गया है।

बांग्लादेश के नवनियुक्त पीएम यूनुस ने हसीना सरकार को हटाए जाने का स्वागत किया और कहा है कि यह बांग्लादेश की दूसरी आजादी की तरह है। ग्रामीण बैंक के जरिये गरीबी दूर करने के प्रयास के लिए यूनुस को 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

# सुनीता और बैरी विल्मोर को लाने बोइंग ने बनाया नया प्लान

वाशिंगटन (ईएमएस)। सिर्फ 12 दिन श्वह्नष्ठाङ्क्षच□ नासा की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। दरअसल भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष में फंसे हैं। 2 माह से उन्हें धरती पर लाने की कोशिशें हो रही हैं। अब नासा ने बोइंग स्टारलाइनर के साथ मिलकर एक नया प्लान बनाया है। बोइंग के मुताबिक, उनके एक्सपर्ट ने 100,000 से ज्यादा कम्प्यूटर सिमुलेसंस किए हैं, जो बिल्कुल सटीक हैं। कोई खराबी नहीं आई। इस सिस्टम से हम अंतरिक्ष यात्रियों को आसानी से धरती पर उतार सकते हैं।

सुनीता और विल्मोर बोइंग स्टारलाइनर की पहली उड़ान से अंतरिक्ष में गए थे। फिलहाल दोनों इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं, क्योंकि अंतरिक्ष यान में खराबी आ गई थी। अब कम्प्यूटर सिमुलेसंस से पता चला है कि 28 में से 27 रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह फिट हैं, उनमें कोई खराबी नहीं आई है। जिस तरह से उन्हें भेजा गया, ठीक उसी तरह से वे लौटे हैं। इससे साफ हो गया है कि अगर इस सिस्टम के जरिए दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने की कोशिश की जाती है, कोई दिक्कत नहीं आएगी।

स्पेसक्राफ्ट में आई खराबी की पहचान करने के लिए बोइंग के एक्सपर्ट ने एक दो नहीं बल्कि 100,000 से ज्यादा कम्प्यूटर सिमुलेसंस किए। हर लाइनअप की बारीकी से पड़ताल की गई। जानने की कोशिश की गई कि जब स्पेस स्टेशन से अनडॉक किया जाएगा, धरती के वायुमंडल में प्रवेश होगा, और महासागर के ऊपर ले जाया जाएगा, तो कैसी स्थिति बनेगी। इसके लिए रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम के 7 ग्राउंड टेस्ट किए गए। एक फ्री फ्लाइट भी की गई। बोइंग ने कहा, हमारा सिस्टम फुलप्रूफ नजर आ रहा है। उम्मीद है कि हम जल्द अपने मिशन में कामयाब होंगे। बोइंग नासा के साथ मिलकर अभी स्पेसक्राफ्ट के डेटा का विश्लेषण कर रहा है। क्योंकि कैप्सूल के थ्रस्टर्स में विस्फोट और हीलियम लीक होने की वजह से जो मिशन सिर्फ 8 दिन का था, अब 60 दिन से अधिक का हो गया है। नासा की पहली कोशिश दोनों एस्ट्रोनॉट को धरती पर लाना है। लेकिन यह इतना आसान भी नहीं है। नासा में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के प्रोग्राम मैनेजर डाना वीगेल ने कहा, सबसे पहले हमारी योजना डॉकिंग पोर्ट को खाली करना है। वहां जो बोइंग स्टारलाइनर पड़ा हुआ है, हटाना होगा। क्योंकि तभी कोई दूसरा कैप्सूल वहां जाएगा। स्पेस स्टेशन से डॉकिंग करेगा और इन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आएगा।

# बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या, उनके घरों में लूट और मंदिरों में लगाई जा रही है आग

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश में अराजकता चरम पर है। यहां उपद्रवी न सेना की सुन रहे हैं और न ही किसी सरकारी अधिकारी की। वे सिर्फ हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या कर रहे हैं और उनके घरों में आग लगा रहे हैं। अब देश के 39 जिलों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के बांग्लादेश चैप्टर के अनुसार बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में 39 जिलों के हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या की गई है। उनके घरं और मंदिरों में न केवल तोड़फोड़ और लूटपाट की गई, बल्कि उनमें आग भी लगा दी गई, उनके घरों से महिलाओं लड़कियों को जबरन उठा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि इन हमलों में हिंदू नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। वह जान बचाने के लिए इधर से उधर भागते फिर रहे हैं।

बांग्लादेश में पिछले कई महीने से लागातार विरोध प्रदर्शन हो रहा था, लेकिन सोमवार, 4 अगस्त को मामला काफी बिगड़ गया जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे कर देश छोड़ दिया। उग्रवादियों ने संसद और प्रधानमंत्री आवास पर कब्जा जमा लिया और लूटपाट किया। लेकिन, हसीना सरकार के जाने के बाद जिसे ज्यादा नुकासान उठाना पड़ा वह बांग्लादेशी हिंदुओं को। शेख हसीना के देश छोड़कर भाग जाने के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा की घटनाओं में रातों-रात 100 और लोगों की हत्या कर दी गई। राजनीति से जुड़े हिंदू नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है और वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं।

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के बांग्लादेश चैप्टर के मुताबिक ताजा हिंसा में अब तक 39 जिलों में हिंदू नेताओ की हत्या की गई है। रंगपुर में दो हिंदू काउंसलर की हत्या। अवामी लीग से जुड़े हराधन राय की हत्या। काउंसलर काजल रॉय की हत्या। और शेरपुर में श्रीबर्दी उपजिला यूथ काउंसिल के अध्यक्ष के घर पर हमला, तोड़फोड़ और लूट की गई। खुलना में कई हिंदुओ और नेताओ के घर पर हमला और तोड़फोड़ कर सामान लूट ले गए। हमलावरों ने फेनी में बासपारा दुर्गा मंदिर में लूटपाट कर आग लगा दी और पांच हिंदू दुकानों में भी लूटपाट की और आग लगा दी। दिनाजपुर में फुलथाला हिंदू श्मशान घाट पर कब्जा कर लिया जबकि परबातीपुर का काली मंदिर समेत पांच मंदिरों में तोड़फोड़ कर दी। उपद्रवियों ने लक्ष्मीपुर में व्यावसायिक दीपक शाह के घर और दफ्तर पर हमला बोल दिया। ऐसी ही घटना अग्रपुर गांव के नकुल कुमार और सुहसंता चक्रबर्ती के साथ हुई। ऐसी एक नहीं सैकड़ों घटनाएं हैं।

# अंतरिक्ष से कूदा शख्स, नजारा देख खौफ में आए लोग!

वाशिंगटन(ईएमएस)। अंतरिक्ष से नीचे कूदते हुए यूटयूब पर एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में नजर आ रहे शख्स का नाम फेलिक्स बाउमगार्टनर बताया गया है। अंतरिक्ष से छलांग लगाने का यह वीडियो साल 2012 का है। हालांकि, वहां से फेलिक्स के छलांग लगाने को लेकर पूरी तैयारी की गई थी। 1 लाख, 27 हजार 8 सौ 52 फीट की ऊंचाई पर जाने के लिए फेलिक्स ने हीलियम बैलून का इस्तेमाल किया। हीलियम के बैलून में बैठकर फेलिक्स धरती के वायुमंडल की दूसरी निचली परत समताप मंडल तक गए। वहां पर भी धरती का गुरुत्वाकर्षण बल काम करता है।

यानी वहां से कोई छलांग लगाए तो आसमान में ऊपर नहीं, बल्कि धरती की ओर गिरेगा। ऐसे में फेलिक्स ने समताप मंडल में जाकर विशेष रुप से बनाए गए अंतरिक्ष सूट को पहनकर धरती पर स्काईडाइव (आसमान से छलांग) किया। इस मिशन को रेडबुल ने स्पॉंशर किया था। इस दौरान उन्होंने साउंड की गति को भी पीछे छोड़ दिया और घुमावदार चक्कर में फंस गए। ऐसा लगा कि रेडबुल स्ट्रेटोस मिशन खतरे में आ गया। हालांकि, वे सफलता पूर्वक धरती पर लैंड करने में सफल रहे। फेलिक्स ने कहा कि अंतरिक्ष से नीचे कूदना वास्तव में अनोखा अनुभव था।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि वे बैलून के नीचे मेटल से बने बॉक्स में बैठकर अंतरिक्ष तक गए। वहां जब बैलून रुक गया, तब वे नीचे की ओर छलांग लगा देते हैं। इस दौरान दर्जनों साइंटिस्ट उन्हें मॉनिटर कर रहे होते हैं। बीच-बीच उनकी भी धुकधुकी बढ़ जाती है। सूट में लगे कैमरे से वो नीचे गिरने का वीडियो भी कैप्चर करते हैं। वे जैसे-जैसे धरती के करीब आते जाते हैं, वैसे-वैसे मॉनिटर कर रहे साइंटिस्ट की खुशी बढ़ती जा रही है। फिर, धरती के नजदीक आते ही फेलिक्स ने अपना पैराशूट खोल लिया और सुरक्षित लैंड कर गए। यूटयूब पर इस वीडियो को साल 2022 में अपलोड किया गया था, लेकिन अब तक इसे 2 करोड़ 88 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस वीडियो पर अब तक 33 हजार से ज्यादा कमेंट्स आ चुके हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है कि मैं अभी भी यकीन नहीं कर पा रहा हूं कि एक इंसान के लिए अंतरिक्ष से गिरने के बाद भी बच पाना संभव है। इसमें बहुत जोखिम था।

# ईसाई देश बनाने का सपना देखने वाला वाइट मैन छिपा है तख्तापलट के पीछे!

शेख हसीना 3 माह पहले बता चुकीं थीं राजनीतिक पतन की कहानी

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश हो चल रही खूनी हिंसा के पीछे की कई कहानियां निकलकर आ रहीं हैं। कभी कहा जाता है कि पाकिस्तान और चीन इस हिंसा के पीछे काम कर रहा है लेकिन इसके पीछे एक वाइट मैन भी छिपा हुआ है। हसीना के दुखद राजनीतिक अंत की शुरुआत मई में तब शुरू हो गई थी जब उन्होंने इसका सार्वजनिक तौर पर जिक्र किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही है। तब हसीना ने कहा था- अगर में इस खास देश को एयरबेस बनाने की इजाजत दे देती हूं तो मेरे लिए कोई परेशानी नहीं होगी। कौन है सवाल के जवाब पर तब हसीना ने अमेरिका का नाम खुलकर तो नहीं लिया, लेकिन कहा कि वाइट मैन से उन्हें ऐसी धमकियां मिल रही हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश में तख्तापलट से तीन महीने पहले ही अपने दुखद राजनीतिक पतन की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने दावा किया था कि उनकी सरकार को गिराने के लिए षडयंत्र रचे जा रहे हैं और उनके पिता और स्वतंत्रता नायक शेख मुजीबुर रहमान की तरह उनकी भी हत्या की जा सकती है। उन्होंने बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक नया ईसाई देश बनाने की वाइट मैन की साजिश का भी आरोप लगाया था।

हसीना ने मई में कहा था, अगर मैं किसी खास देश को बांग्लादेश में एयरबेस बनाने की इजाजत देती, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव एक वाइट मैन की ओर से आया था, लेकिन उन्होंने किसी देश का नाम नहीं बताया। हालांकि उनकी बातों से साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अमेरिका की तरफ इशारा कर रही हैं। हसीना के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अभी और परेशानी होगी।हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश और म्यांमार को ईसाई देश बनाने का दबाव डाला जा रहा था। हसीना के मुताबिक, उन्होंने कहा था, पूर्वी तिमोर की तरह। वे बांग्लादेश (चटगाँव) और म्यांमार के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके बंगाल की खाड़ी में अपना आधार बनाकर एक ईसाई देश बनाएंगे।

हालांकि, उन्होंने (हसीना) किसी भी दबाव के आगे न झुकने की कसम खाई थी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में पिछले दो महीनों से कोटा में आरक्षण को लेकर छात्रों का उग्र प्रदर्शन चल रहा था। हालांकि दो दिन पहले अचानक प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और अराजकता फैल गई। रविवार को सबसे भीषण प्रदर्शन हुए, जिसमें पुलिस के साथ झड़प में 100 से ज़्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से अब तक कुल मौतों की संख्या 400 से ज़्यादा हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को प्रधानमंत्री के आवास पर हमला किया, लेकिन हसीना पहले ही इस्तीफा देकर सैन्य विमान से देश छोड़ चुकीं थी। इसी साल जनवरी महीने में शेख हसीना पांचवीं बार चुनाव जीतकर सत्ता के शीर्ष पर विराजमान हुईं। हालांकि इस बार उनके लिए हालात शुरू से बेहतर नहीं थे। पहले चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया फिर दो महीने पहले आरक्षण को लेकर सुलगी आग ने पूरे देश को दंगों में झोंक दिया। अगस्त आते आते हालत ये हो गए कि शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। अभी वो भारत की शरण में हैं और अपने पक्के ठिकाने के लिए ब्रिटेन की तरफ टकटकी लगाए हुए हैं।

# ''हर घर तिरंगा'' अभियान का राज्यभर में आयोजन किया जाएगा : हर्ष संघवी

गांधीनगर (ईएमएस) केन्द्र सरकार द्वारा 8 अगस्त से 15 अगस्त के दौरान समग्र देश में हर घर तिरंगा अभियान उत्सवपूर्वक आयोजित किया जाने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार द्वारा भी 8 से 15 अगस्त के दौरान समग्र राज्य में 78वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। खेल-कूद तथा युवक सेवा मंत्री हर्ष संघवी ने बुधवार को गांधीनगर में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में राज्य के मुख्य चार महानगरों राजकोट, सूरत, वडोदरा एवं अहमदाबाद में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। 10 अगस्त को राजकोट में, 11 अगस्त को सूरत में, 12 अगस्त को वडोदरा में तथा 13 अगस्त को अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम के उपरांत राज्य की महानगर पालिकाओं, नगर पालिकाओं और 14,292 ग्राम पंचायतों में भी तिरंगा यात्रा का उत्सव मनाया जाएगा। इस यात्रा में 2,200 से अधिक संस्थाएँ सहभागी होंगी। इसके अतिरिक्त; विशेष रूप से सीमावर्ती गाँवों में घरों पर तिरंगा फहरा कर तिरंगा यात्रा भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त; राज्य के मुख्य 75 आइकॉनिक स्थलों पर भी यह पर्व मनाया जाएगा। इस उत्सव में राज्य के सभी घरों, दुकानों, औद्योगिक घरानों व इकाइयों, सरकारी कार्यालयों, निजी कार्यालयों तथा ठेलों आदि पर तिरंगा फहराया जाने वाला है। राज्य में इस उत्सव के आयोजन में सभी विभाग एवं जिला प्रशासन भी परस्पर समन्वय में रह कर कार्य कर रहे हैं।

हर्ष संघवी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के शैक्षिक संस्थानों में देश भक्ति की थीम पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, चित्र प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थी को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने जोड़ा कि शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को स्वतंत्रता तथा तिरंगे का सम्मान बनाए रखने संबंधी समझ भी दी जाएगी। संघवी ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में 40 से 50 लाख तिरंगों का वितरण किया जाएगा। यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न शहरों के चार मार्गों पर नागरिकों को तिरंगों का वितरण भी किया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा राज्य की एसटी बसों में भी यात्रियों को तिरंगों का वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चार महानगरों में लगभग 2 किलोमीटर के रूट पर तिरंगा यात्रा/मेगा परेड का आयोजन होगा। इसमें सूरत व अहमदाबाद में 1 लाख से अधिक, जबकि राजकोट व वडोदरा में 50 से 70 हजार नागरिक सहभागी होंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सशस्त्र बलों के बैंड, पुलिस बैंड, स्कूल बैंक तथा अन्य निजी बैंड द्वारा देश भक्ति पर आधारित धुनें प्रस्तुत की जाएंगी। राज्य के विभिन्न सांस्कृतिक वृंदों द्वारा विभिन्न स्थानों पर विख्यात नृत्य तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। खेल मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा कुल 9 झाँकियाँ (टैब्लो) प्रदर्शित की जाएंगी।

## पावी जेतपुरः कुएं में गिरे तेंदुए को वन विभाग ने पिंजरे में कैद किया

वड़ोदरा,07 अगस्त

छोटा उदेपुर जिले में बड़ी संख्या में तेंदुओं को देखा जा रहा है। गर्मियों के दौरान पानी और भोजन के लिए तेंदुओं का मानव आबादी की ओर पलायन करना आम बात हो गई है। लेकिन मानसून में तेंदुए निकलने की घटना सामने आई है.

पावी जेतपुर तालुक के अम्बालाग गाँव के बड़े स्लैब में भीमसिंह भाई दमनभाई राठवा के खेत में एक कुआँ स्थित है। सुबह खेत के मालिक को पता चला कि पिछली रात शिकार की तलाश में घूम रहे तेंदुए ने भीमसिंगभाई के खेत के कुएं में काट लिया है. उन्होंने इसकी सूचना सरपंच और वन विभाग को दी। कुएं में तेंदुए के पड़े होने की सूचना पर लोग तेंदुए को देखने के लिए उमड़ पड़े। वन विभाग की टीम तेंदुए को कुएं से निकालने के लिए मौके पर पहुंची और पिंजरे को दरवाजा खोलकर कुएं में उतारा गया, पिंजरे को कुएं में उतारते समय तेंदुआ पिंजरे में गिर गया और पिंजरा बंद कर दिया गया और तेंदुए को बाहर निकाला गया पिंजरे के साथ दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कुएं से बाहर निकाला गया।

## वडोदरा में वार्ड नंबर-01 का कार्यालय बनकर तैयार लेकिन उद्घाटन के लिए मंत्री का इंतजार

वडोदरा, 07 अगस्त

वडोदरा निगम के बारह प्रशासनिक वार्डों के स्थान पर चुनावी वार्डों के अनुसार नए वार्डों का पुनर्गठन किया गया है और वार्ड नंबर एक के कार्यालय के निर्माण पर दो करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन निगम उद्घाटन का इंतजार कर रहा है. इसलिए नया कार्यालय धूल-धूसरित हो गया है.

वडोदरा निगम के मेयर के रूप में केयूर रोकडिया की नियुक्ति के बाद, उन्होंने यह ध्यान में रखते हुए एक प्रशासनिक वार्ड बनाया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों और लोगों को काम के लिए वार्ड कार्यालय तक दूर नहीं जाना पड़े। इसके बजाय, चुनावी वार्डों के अनुसार 19 वार्ड बनाए गए। कुछ जगहों पर अभी कार्यालय बनना बाकी है, वहीं वार्ड नंबर एक का कार्यालय दो करोड़ की लागत से तैयार हो चुका है. लेकिन किसी मंत्री के हाथों उद्घाटन होने तक कार्यालय शुरू नहीं हो सका और धूल फांक रहा है।

इस संबंध में कांग्रेस पार्षद जाहा भरवाड ने कहा कि वार्ड नंबर एक का कार्यालय फिलहाल छानी गांव में है, वह बहुत छोटा है. इतना ही नहीं पूरे वार्ड नंबर एक के लोगों को काम के लिए गांव जाना पड़ता है. इसलिए नए वार्ड के साथ यह मांग की गई थी कि टीपी 13 में एक वार्ड कार्यालय बनाया जाए और यह नया कार्यालय हमारी बात को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। लेकिन आज तक इसका उद्घाटन नहीं हुआ और यह कार्यालय धूल फांक रहा है.

# गुजरात के आदिवासी क्षेत्र के बच्चों और महिलाओं को मिल रहा है उत्तम पोषण और स्वास्थ्य देखभाल

गांधीनगर 07 अगस्त

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आदिवासी समुदाय के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए थे। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उनके नेतृव में आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं और बच्चों में पोषण की स्थिति में सुधार के लिए दूध संजीवनी योजना शुरू की गई थी। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में लाखों आदिवासी महिलाएं और बच्चे दूध संजीवनी योजना का लाभ उठा रहे हैं। पिछले 10वर्षों में यानी2014-15 से 2023-24 तक दूध संजीवनी योजना के अंतर्गत कुल 87लाख 89 हजार से अधिक लाभार्थियों को फ्लेवर्ड दूध का लाभ दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राज्य के 5 जिलों के केवल 10 आदिवासी घटकों में शुरू की गई पोषण सुधा योजना का दायरा बढ़ाया गया, और आज राज्य के सभी 14 आदिवासी जिलों के 106 घटकों में इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। पोषण सुधा योजना के तहत वर्ष 2023-24 में आदिवासी क्षेत्रों के 90,249 लाभार्थियों को पौष्टिक आहार का लाभ दिया गया है।

आदिवासी बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए संजीवनी बनी 'दूध संजीवनी योजना'

'स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ शरीर जरूरी है', इस मंत्र को साकार करने के उम्दा भाव से तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 दिसंबर, 2009 को 'दूध संजीवनी योजना' शुरू की थी, जिसका उद्देश्य आदिवासी बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं (6 महीने तक के शिशु की माताएं) के पोषण स्तर में सुधार करना है। इस योजना के तहत आंगनवाड़ी केंद्र के 6 महीने से 6 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन 100 मिली, जबकि गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को सप्ताह में 2 दिन 200 मिली फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध दिया जाता है।

इस योजना के अंतर्गत गत 10 वर्षों में कुल 12,021 करोड़ रुपए की लागत से 87,89,105 लाभार्थियों को फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध का लाभ दिया गया है। अभी इस योजना के तहत पूरे राज्य में 10 लाख से अधिक लाभार्थी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। दूध संजीवनी योजना के परिणामस्वरूप आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं में पोषण की स्थिति में सुधार दिखाई दिया है।

किसी भी महिला के जीवन में गर्भावस्था और स्तनपान कराने की अवस्था काफी महत्वपूर्ण होती है। माता के गर्भ में मौजूद शिशु के लिए तथा जन्म के बाद उसे स्तनपान कराने के लिए माता को अधिक मात्रा में पोषण की जरूरत होती है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने 18 जून, 2022 को पोषण सुधा योजना अर्थात स्पॉट फीडिंग कार्यक्रम शुरू किया था। इस योजना का उद्देश्य राज्य के सभी आदिवासी जिलों की तमाम आदिवासी तहसीलों के आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं में पोषण की स्थिति में सुधार करना, एनीमिया रोग वाले तथा जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों की दर को कम करना, और प्रसव के परिणामों में सुधार लाना है।

पोषण सुधा योजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी में पंजीकृत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को एक समय का पूर्ण पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, आयरन और कैल्शियम की गोलियों के साथ-साथ स्वास्थ्य और पोषण पर शिक्षा भी दी जाती है। योजना की निगरानी और समीक्षा के लिए विशेष मोबाइल एप्लीकेशन भी बनाया गया है। इस योजना के तहत वर्ष2023-24 में 90,249 गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को पौष्टिक आहार का लाभ दिया गया है।इसयोजना के चलते आदिवासी क्षेत्रों में मातृ मृत्यु और बाल मृत्यु दर में कमी तथा माता और नवजात के पोषण स्तर में सुधार के साथ ही कम वजन के साथ जन्म लेने वाले शिशुओंकीदर में भी कमी के अपेक्षित परिणाम मिलने की उम्मीद है।

# एमएसयू के प्रतिष्ठित कार्यकारी एमबीए पाठयक्रम पर जीआईसीए का ग्रहण लग गया, जिसमें 80 में से केवल 35 सीटें ही भरीं

वड़ोदरा,07 अगस्त

वडोदरा एम एस यूनिवर्सिटीः एम एस यूनिवर्सिटी के प्रबंधन संकाय का प्रतिष्ठित कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम जीकास पोर्टल के कारण प्रभावित हुआ है।

प्रबंधन संकाय में नियमित एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश गुजरात सरकार की प्रवेश समिति के माध्यम से दिया जाता है। इस वर्ष, कार्यकारी कार्यक्रम के प्रवेश जीआईसीएस पोर्टल के माध्यम से किए गए थे। जिसके चलते इस प्रोग्राम की 80 में से सिर्फ 35 सीटें ही भरी हैं। अब संकाय अधिकारियों ने शेष सीटों को भरने के लिए फिर से विश्वविद्यालय के पोर्टल पर फॉर्म उपलब्ध कराए हैं। अभ्यर्थी 12 अगस्त तक फॉर्म भर सकते हैं।

फैकल्टी डीन डॉ. सुनीता शर्मा का कहना है कि कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए 1996 में शुरू किए गए कोर्स में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर सीटें खाली हुई हैं. पिछले साल भी 80 में से 65 सीटें भरी थीं। इस वर्ष जीआईसीए पर इस कार्यक्रम के लिए 2800 आवेदन आए थे, लेकिन अधिकांश आवेदक नियमित एमबीए कार्यक्रमों में प्रवेश चाहने वाले छात्र थे। जिन्होंने इस कोर्स को एक नियमित एमबीए प्रोग्राम समझ लिया था। दूसरी ओर, निगम क्षेत्र के कई लोगों को यह नहीं पता था कि उन्हें प्रवेश के लिए जीकास पोर्टल पर फॉर्म भरना होगा।

विशेष रूप से, कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम शाम को आयोजित किया जाता है। प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत या अधिक अंकों वाली डिग्री आवश्यक है। इसके साथ ही यह अनिवार्य है कि अभ्यर्थी संकाय से 16 किमी के भीतर स्थित किसी कंपनी में कार्यरत हो और उसके पास इस कंपनी की एनओसी हो।

# कांग्रेस ने भूखमरी सूचकांक में गुजरात के पूरे देश में बेहद चिंताजनक स्थित पर उठाए सवाल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात की जनता भाजपा सरकार की दिशाहीन, भ्रष्ट स्वास्थ्य विभाग नीतियों की कीमत चुका रही है। आखिर जब गुजरात में कुपोषण और भुखमरी लगातार बढ़ रही है तो बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण के करोड़ों रुपये कौन खा गया? गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता हिरेन बैंकर ने कहा कि गुजरात में माताओं और नवजात शिशुओं में लगातार बढ़ रहे कुपोषण के कारण माताओं और नवजात शिशुओं की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं भूख सूचकांक में गुजरात पूरे देश में 25वें स्थान पर है, जो बेहद चिंता का विषय है। भाजपा सरकार जनहित के बजाय विज्ञापनों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवजात शिशुओं-गर्भवती महिलाओं को उचित एवं पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल रही है। भाजपा शासन में कम वजन वाले बच्चों, गर्भवती महिलाओं, एनीमिया भूख सूचकांक की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर नाममात्र और विज्ञापन पर करोड़ों रुपये खर्च करती है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण के करोड़ों रुपये खाकर किसका पोषण हुआ है? गुजरात जानना चाहता हैं

भूख से लड़ने और बच्चों को पोषण मुहैया कराने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करने वाली भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि गुजरात में कुपोषण और भूख सूचकांक में गुजरात की स्थिति क्यों खराब हो रही है? नीति आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रिपोर्ट के अनुसार गुजरात भूख सूचकांक में 25वें स्थान पर है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक पांच साल से कम उम्र के 39 फीसदी बच्चे बौनेपन के शिकार हैं। 15-49 वर्ष की 62.5 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं जो बहुत गंभीर मामला है। समान आयु वर्ग की 25.2 प्रतिशत महिलाओं का बॉडी मास इंडेक्स (18.5) से नीचे है। 2018 और 2019 की तुलना में कम वजन वाले और अविकसित बच्चों और एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की व्यापकता बढ़ी है। यह 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित 17 सतत विकास लक्ष्यों में से एक है। सतत विकास लक्ष्य 2 का लक्ष्य शून्य भूख सूचकांक हासिल करना है। लेकिन भाजपा सरकार में गुजरात को सतत विकास लक्ष्य 2 इंडेक्स में सिर्फ 41 अंक मिले हैं भूख के खिलाफ लड़ाई में गुजरात ओडिशा, मध्य प्रदेश समेत 23 राज्यों से पीछे हैं सतत विकास लक्ष्य 2 के प्रदर्शन में गुजरात की स्थिति लगातार खराब हो रही है। 2020-21 में गुजरात के लिए एउउ-2 सूचकांक 46 और 2019-20में 41 था। वर्ष 2018 में यह 49 थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 41 हो गयी है।

गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) के कारण 2020-21 में 9606, 2021-22 में 13048 और 2020-23 में 18978 बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराया गया है। गुजरात में 12 लाख बच्चों में से 30 हजार बच्चे जन्म के समय ही मर जाते हैं। आज भी हर साल 30 हजार बच्चों की मौत होती है यह हकीकत है. पिछले पांच वर्षों में 7,15,515 बच्चे कुपोषित हैं।

# वडोदरा को अब 'संस्कारी नगरी' के बजाय 'खड़ोदरा-भुवा सिटी' के नाम से जाना जाता हैः भुवा दो और स्थानों पर गिरे

वड़ोदरा,07 अगस्त

समाचार : वड़ोदरा शहर में एक के बाद एक क्षेत्रों में ठेकेदारों द्वारा निम्न गुणवत्ता के काम के कारण काफी परेशानी हो रही है। फिर दो और भुवा तरसाली और छानी टी.पी. 13 पर गिरे हैं. इसकी सूचना मिलने पर निगम अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच की।

वडोदरा शहर की विशिष्ट पहचान अलग-अलग समय पर उभरी। वडोदरा की पहली पहचान एक सभ्य शहर, एक सांस्कृतिक शहर के रूप में थी। उसके बाद वड़ोदरा में एक विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ 'शिक्षण नगरी', उसके आसपास उद्योगों के विकास के साथ 'उद्योग नगरी', वड़ोदरा सबसे अधिक संख्या में उद्यानों वाली गली के साथ 'उद्यान नगरी' के रूप में प्रतिष्ठित हो गया 'भुव नगरी' के नाम से जाना जाए। फिर मानसून के दौरान वडोदरा निगम के पिछले कार्यों की पोल रोजाना खुल रही है।

वडोदरा के विभिन्न इलाकों में विकास कार्यों के दौरान मिट्टी के सही तरीके से संघनन न होने के कारण स्कूल और इमारतें ढह रही हैं। फिर सालों पहले कारेलीबाग एलएंडटी सर्किल के पास जिस जगह ड्रेनेज लाइन बिछाई गई थी, वहां एक बड़ा गड्ढा हो गया है, इतना बड़ा किउसमें डबल डेकर बस समा जाए। इसके अलावा वडोदरा शहर के अलग-अलगइलाकों में कई छोटे-बड़े भूस्खलन हुए हैं. कल रात वडोदरा शहर के तरसाली एसआरपी ग्रुप नंबर9के पास मुख्य सड़क पर 15फीटचौड़ा और 30 से 35 फीट गहरा धंसा धंस गया। तंत्र को इसकी जानकारी होने पर भुव पुराण का कार्य प्रारंभकिया गया। वडोदरा शहर के छानीपीपी13इलाके में प्रयाग चार रोड के पास भी25 से 30 फीट गहरा धंसा गिर गया है. ज्ञात हो कि कांग्रेस की महिला पार्षद ने इस ओर ध्यान दिलाते हुए व्यवस्था को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है.

# वडोदरा कॉर्पोरेशन ने स्वास्थ्य-उन्मुख कार्यों के लिए 11 महीने के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की भर्ती की है

वडोदरा,07 अगस्त, 2024

वडोदरा नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने 11 महीने के लिए अनुबंध के आधार पर 554 कर्मचारियों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। जिनमें से चयनित अभ्यर्थी पहले ही डयूटी पर आ चुके हैं और अब 54 अभ्यर्थियों के चयन के लिए चौथी और आखिरी चयन सूची आज दोपहर से निगम की वेबसाइट पर डाल दी गई है. उम्मीदवारों को 9 से 16 तारीख तक उन्हें आवंटित निगम के जोनल कार्यालय में जीवविज्ञानी के सामने उपस्थित होना होगा। 16 तारीख तक उपस्थित नहीं होने वालों की सूची रद्द कर दी जायेगी और प्रतीक्षा सूची में बचे अन्य लोगों को तत्काल नियुक्ति दे दी जायेगी.

इससे पहले निगम को 554 स्वास्थ्य कर्मियों के लिए कुल 9,922 आवेदन प्राप्त हुए थे. जिसमें पब्लिक हेल्थ वर्कर के लिए 4474 और मेल फील्ड वर्कर के लिए 5448 आवेदन थे। जिनमें से 427 आवेदन पत्र निरस्त कर दिये गये तथा प्रारम्भिक सत्यापन एवं मूल्यांकन के उपरान्त जिन अभ्यर्थियों के आवेदन पात्र थे उनके सभी मूल दस्तावेजों का सत्यापन कर मेरिट सूची एवं चयन सूची जारी की गयी। अब तक ऐसी तीन सूचियां जारी हो चुकी हैं. इसमें शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्ति दी जाएगी. अब तक करीब 500 स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित होकर अपना काम शुरू कर चुके हैं. ये स्वास्थ्य कर्मी वेक्टर एवं जल जनित रोग नियंत्रण के लिए घर-घर छिड़काव, फॉगिंग, सर्वेक्षण, नमूने लेना, बुखार सर्वेक्षण आदि कार्य कर रहे हैं।

# दुपहिया वाहन के पीछे बैठने वाले के लिए भी हेल्मेट पहनना अनिवार्य : हाईकोर्ट का आदेश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, अहमदाबाद नगर निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और पुलिस को एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है। गुजरात हाई कोर्ट ने कहा है कि अहमदाबाद में हेलमेट नियमों का सख्ती से पालन किया जाएं दुपहिया वाहन चालकों और पिछली सीट पर बैठने वालों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं हाई कोर्ट ने ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए पुलिस में भर्ती प्रक्रिया को लेकर भी नसीहत दीं हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ सीसीटीवी के आधार पर चालान काटने से कानून का सही क्रियान्वयन नहीं हो सकतां नागरिकों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराना सरकार का काम है। अधिकारियों का मनमाना व्यवहार भी नहीं चलेगां इसके अलावा एसजी हाईवे पर 15 दिन के अंदर जरूरी सर्विस रोड बनाने को कहा है और गलत साइड से गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया हैं गुजरात हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिकापरसुनवाईकरतेहुए अहमदाबाद के ट्रैफिक और उसके निपटारे की व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताईं वहीं हाईकोर्ट ने बाइक सवारों के लिए हेलमेट पहनने की अनिवार्यता लागू करने का आदेश दिया हैं अब तक बाइक पर पीछे बैठने वाले को हेलमेट पहनने के लिए बाध्य नहीं किया जा रहा है, लेकिन अब इसे भी लागू करने का आदेश दिया गया हैं मतलब अब दुपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले को हेल्मेट पहनना अनिवार्य होगां हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया किअहमदाबाद की स्थिति मुंबई जैसी हो गई है और ऐसे में सरकार को 15 दिनों के भीतर ड्राइवर और पिछली सीट दोनों के लिए हेलमेट अनिवार्य करने का आदेश दिया है।

# वडोदरा के मंगल बाजार इलाके में अर्तिक्रमण शाखा की टीम ने मारा छापाः

वड़ोदरा,07 अगस्त

वडोदरा शहर के मंगल बाजार क्षेत्र में, जो अर्तिक्रमण के कारण दिल का दर्द और सिरदर्द बन गया है, नगरपालिका प्रणाली ने एक बार फिर अवैध लॉरियों के दबाव को दूर करने के लिए कार्रवाई की है। वहीं माल से भरे दो ट्रक जब्त कर लिये गये. लेकिन दबाव शाखा की टीम के चले जाने के बाद स्थिति पहले जैसी हो जाने के अक्सर मामले सामने आए हैं। हालाँकि, दबाव शाखा की टीम ने पहले ही क्षेत्र पर धावा बोल दिया और क्षेत्र लगभग दबाव से मुक्त हो गया क्योंकि व्यापारियों को येनकेन प्रकारेण जागरूक किया गया था। मंगल बाजार में लारी गल्ला बिस्तर का दबाव रोज हो गया है। वहीं दुकानदार बीच-बीच में रुकने वाले टंगे भी लटका रहे हैं। ऐसे में पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है।

## गुजरात कांग्रेस का 9 अगस्त से राज्य में विभिन्न दुर्घटनाओं को लेकर न्याययात्रा का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पिछले तीन दशकों से राज्य में भाजपा शासन में बेखौफ भ्रष्टाचार के कारण वडोदरा हरणी नाव कांड, मोरबी ब्रिज कांड, कांकरिया सवारी कांड, तक्षशिला अग्नि कांड, बुलडोजर कांड, लता कांड, पेपर लीक कांड और भूमाफिया कांड जैसे कई घोटाले हुए, जिसके खामियाजा गुजरात में नागरिकों को भुगतना पड़ा है। ऐसे मामलों के दोषियों को सजा और पीड़ितों को न्याय की लड़ाई लिए 9 अगस्त से मोरबी में कांग्रेस का न्याय मार्च शुरू होगां जिसमें पीड़ितों के परिवार, कांग्रेस के सिपाही, न्याययात्री और गुजरात के नागरिक शामिल होंगें कांग्रेस पार्टी की गुजरात न्याय यात्रा मोरबी - टंकारा - राजकोट - चोटिला - सुरेंद्रनगर - वीरमगाम - साणंद - अहमदाबाद से होकर गुजरेगी और 23 अगस्त को गांधीनगर में समाप्त होगी। गुजरात न्याय यात्रा में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, नेता, पदाधिकारी, निर्वाचित प्रतिनिधि सक्रिय भूमिका निभाएंगे और यात्रा में शामिल होंगे। सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई ने गुजरात न्याय यात्रा के बारे में कहा कि 9 अगस्त से गुजरात के मोरबी से शुरू होने वाली गुजरात न्याय यात्रा में तीन प्रकार के यात्री होंगें एक न्याय यात्री जो लगातार 15 दिनों तक चलने वाली न्याय यात्रा की शुरुआत से अंत तक एक साथ शामिल रहेंगे। पदयात्रा में 100 पदयात्री स्थाई रूप से साथ रहेंगे।

# मैरिको विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा वोरा ने मानसून के दौरान बालों में तेल लगाने के फायदे बताए

जहां मानसून चिलचिलाती गर्मी में ताजगी लाता है, वहीं हवा में बढ़ी नमी बालों की देखभाल के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे वातावरण के कारण अक्सर बाल घुंघराले, शुष्क और बेजान हो जाते हैं, जिससे उनके क्षतिग्रस्त होने का खतरा रहता है। लगातार बारिश से सिर की त्वचा तैलीय और चिपचिपी हो जाती है, जिससे बाल अत्यधिक झड़ने लगते हैं और बाल रूखे, बेजान और घुंघराले हो जाते हैं। मानसून के मौसम में बालों की देखभाल के महत्व को समझाते हुए डॉ. मैरिको लिमिटेड। मुख्य अनुसंधान और विकास अधिकारी शिल्पा वोरा कहती हैं, ''मानसून के दौरान अपने बालों को नुकसान से बचाने के लिए नियमित रूप से तेल लगाना आवश्यक है, सर्वोत्तम परिणामों के लिए पैराशूट एडवांस्ड गोल्ड हेयर ऑयल का उपयोग करें, एक नारियल आधारित तेल जो 10 परतों तक गहराई तक प्रवेश करता है आपके बालों को सुंदर बनाने के लिए पोषण। जहां पूरे साल बालों में तेल लगाना जरूरी है, वहीं मानसून के मौसम में आपके बालों को अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। एक अच्छी तेल मालिश से आपके बालों के रोमों में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे बाल स्वस्थ होते हैं और बालों के विकास को बढ़ावा मिलता है, खासकर मानसून के दौरान जब बालों के टूटने और क्षतिग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है। मानसून के दौरान, बालों में अतिरिक्त नमी अक्सर उन्हें शुष्क और बेजान बना देती है, लेकिन बालों में नियमित रूप से तेल लगाने से उन्हें आवश्यक पोषण मिलता है और उनकी मरम्मत होती है। तेल बालों में प्रवेश करता है, त्वचा को हुए नुकसान की मरम्मत करता है और इसे मजबूत बनाता है। यह फ्रिज़ को नियंत्रित करने में मदद करता है और बालों को बनाए रखना आसान बनाता है। इसके चिकनाई गुण बालों को सुलझाने में मदद करते हैं, विशेष रूप से मानसून के दौरान फायदेमंद होते हैं जब नमी का स्तर बढ़ जाता है, और खोपड़ी पर कंघी करते समय बालों का टूटना कम हो जाता है। पूरे मौसम में बालों को उलझने से मुक्त रखने के लिए नारियल आधारित तेल को जड़ों में लगाना चाहिए, 30 मिनट के लिए छोड़ देना चाहिए और फिर धो देना चाहिए। सर्वोत्तम परिणामों के लिए अथाडिया में 1-2 बार दोहराया जाना चाहिए।

## गुजरात एटीएस ने मुंबई में रेड कर 800 करोड़ के ड्रग्स समेत दो गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात एटीएस ने मुंबई में बड़ी कार्यवाही करते हुए 800 करोड़ रुपए के ड्रग्स समेत 2 शख्सों को गिरफ्तार कर लियां बता दें कि पिछले महीने गुजरात एटीएस ने सूरत जिले के केराली गांव की एक फैक्ट्री में छापा मारकर 51 करोड़ रुपए ड्रग्स बरामद किया थां साथ ही 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया थां गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुंबई के भिवंडी में रहनेवाले मोहमद यूनुस शेख उर्फ एजाज और मोहमद आदिल शेख भी इस मामले में शामिल हैं इस जानकारी के आधार पर गुजरात एटीएस ने मुंबई में भिंवडी के चींचबंदर क्षेत्र के एक फ्लैट में छापा मारां इस फ्लैट में मोहमद यूनुस और मोहमद आदिल एमडी ड्रग्स बनाते थें गुजरात एटीएस की रेड के दौरान दोनों आरोपी ड्रग्स बना रहे थें फ्लैट से अलग-अलग बैरल में पैक 10.969 किलोग्राम अर्ध-तरल एमडी और तरल रूप में 782.236 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किए गए। जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 800 करोड़ रुपये बताई जाती हैं साथ ही ग्राइंडर, मोटर, ग्लास फ्लास्क, हीटर सहित दवा बनाने की प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले उपकरण जब्त कर लिए गए हैं। इस पूरे मामले में एक और आरोपी सादिक शेख का नाम भी सामने आया हैं गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि मोहम्मद यूनुस उर्फ एजाज शेख दुबई से सोने और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की तस्करी गतिविधियों से जुड़ा है।

**पश्चिम रेलवे - वड़ोदरा मण्डल**

अधिसूचना संख्या C171/0/ADVT. VOL.II (514191) DT: 02.08.2024

वडोदरा डिवीजन के निम्नलिखित स्टेशनों पर टिकटों की बिक्री के लिए स्थानीय एजेंटों की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, ताकि नीचे सूचीबद्ध हॉल्ट स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट जारी किए जा सकें: -

| क्र.सं | स्टेशन का नाम | अनुभाग |
|---|---|---|
| 1 | भटियाल | आणंद-खंभात |
| 2 | भीलापुर | प्रताप नगर - एकता नगर |
| 3 | कुंधेला | प्रताप नगर - एकता नगर |

योग्य उम्मीदवारों को वेबसाइट www.wr. Indianrailways.gov.in पर अपलोड किए गए दस्तावेजों में दिए गए विवरण के अनुसार आवेदन करना होगा। समाचार पत्रों में इस अधिसूचना के प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर आवेदन इस कार्यालय को भेजे जाने चाहिए। विस्तृत जानकारी के लिए पता:- वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय पश्चिम रेलवे, प्रताप नगर, वडोदरा

150

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

**AN ADVERTISEMENT / PUBLIC NOTICE**

Notice is hereby given that Kapeel Dev Maheshwari son of Prem Kumar is applying to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs for naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Secretary.

Date: 8-8-24, Vadodara.

**पश्चिम रेलवे वडोदरा - सियालदह के बीच त्योहार विशेष ट्रेन चलाएगी**

| रेल गाडी न. | मूल स्टेशन व गंतव्य | सेवा की विस्तारित तिथि | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 03110 | वडोदरा - सियालदह (साप्ताहिक विशेष) | 03.10.2024 से 28.11.2024 तक | 16:45 बजे. (गुरुवार) | 04:05 बजे. (शनिवार) |
| 03109 | सियालदह - वडोदरा (साप्ताहिक विशेष) | 01.10.2024 से 26.11.2024 तक | 08:10 बजे. (मंगलवार) | 20:00 बजे. (अगले दिन) |

पड़ावः गोधरा, रतलाम, कोटा, श्री महावीरजी, आगरा किला, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पं.दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर और बर्द्धमान स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

ट्रेन नंबर 03110 की बुकिंग 08.08.2024 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव के समय और संयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फ़ॉलो करें: X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96